राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-224 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

महात्मा गांधी और लालबहादुरी शास्त्री की जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

विकसित भारत के निर्माण के हमारे लक्ष्य में हम उनके बताए रास्ते पर चलते रहेंगे

नई दिल्ली पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत उनके दिखाए मार्ग पर चलकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करेगा। उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि गांधी जयंती पर हम अपने प्यारे बापू के असाधारण जीवन को याद करते हैं, जिनके आदर्शों ने मानव इतिहास को बदल दिया। उन्होंने दिखाया कि कैसे साहस और महान बदलाव का जरिया बन सकते हैं। वे सेवा और करुणा की शक्ति पर विश्वास करते थे, क्योंकि वे लोगों को सशक्त बनाने का एक तरीका थे। विकसित भारत के निर्माण के हमारे लक्ष्य में हम उनके बताए रास्ते पर ही चलते रहेंगे। महात्मा गांधी को गांधी जयंती पर सत्य, अहिंसा और सामाजिक न्याय के प्रति उनके आजीवन समर्पण के लिए याद किया जाता है। यह दिन न केवल उनकी शांति और नैतिक जीवन की विचारधारा का सम्मान करता है, बल्कि पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वहीं पीएम मोदी ने पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा कि लाल बहादुर शास्त्री एक महान राजनेता थे, जिनकी ईमानदारी, विनम्रता और दृढ़ संकल्प ने भारत को मजबूत किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में भी नेतृत्व, शक्ति और निर्णायक कार्यवाही का उदाहरण प्रस्तुत किया है। जय जवान जय किसान का उनका नारा लोगों में देशभक्ति की भावना जगाता है। वे आज भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों में हमें प्रेरित करते रहते हैं। बता दें लाल बहादुर शास्त्री का 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्म हुआ था। लाल बहादुर शास्त्री 1964 में जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने थे।

लद्दाख संकट वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने किया केंद्र से सवाल- क्या भारत वाकई आज़ाद है?

लेह लद्दाख में जारी उथल-पुथल के बीच सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने लद्दाख की मौजूदा स्थिति की तुलना ब्रिटिश शासन काल से की और गृह मंत्रालय पर पुलिस बल का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। गीतांजलि ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि क्या भारत वाकई आज़ाद है? 1857 में 24,000 अंग्रेजों ने महारानी के आदेश पर 300 मिलियन भारतीयों पर अत्याचार करने के लिए 1,35,000 भारतीय सिपाहियों का इस्तेमाल किया था। आज, गृह मंत्रालय के आदेश पर एक दर्जन प्रशासक 2400 लद्दाखी पुलिस का दुरुपयोग करके 3 लाख लद्दाखियों पर अत्याचार कर रहे हैं। वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद बढ़ा विवाद सोनम वांगचुक को लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक सुरक्षा की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 26 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत मामला दर्ज कर जोधपुर सेंट्रल जेल भेजा गया। 24 सितंबर को हुए प्रदर्शन में पुलिस फायरिंग और झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। राष्ट्रपति को लिखा पत्र गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपील की कि वे एक आदिवासी होने के नाते लद्दाख के लोगों की भावनाओं को समझें। पत्र की प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। अंगमो ने अपने पत्र में सोनम वांगचुक को एक शांतिपूर्ण गांधीवादी आंदोलनकारी बताया, जो जलवायु परिवर्तन और आदिवासी इलाकों के विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि वांगचुक को बिना शर्त रिहा किया जाए।

अबू आजमी बोले- मराठी की क्या जरूरत, भड़क गए राज ठाकरे

मुंबई समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक अबू आजमी ने मराठी भाषा विवाद के बीच बड़ा बयान दिया है। भिवंडी में मराठी में बोलने की आवश्यकता पर अबू आजमी ने सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? अब अबू आजमी की इस टिप्पणी से सियासी विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब अबू आजमी ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के भिवंडी शहर का दौरा किया। वे यहां कल्याण रोड के चौड़ीकरण को रोकने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने दौरा किया। इस इलाके में मुस्लिम समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है। इस दौरान जब अबू आजमी मीडिया को संबोधित कर रहे थे तब मराठी पत्रकारों ने उनसे आग्रह किया कि मराठी में जवाब दें। इस पर सपा नेता ने कहा, मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? मैं मराठी बोल सकता हूं, लेकिन भिवंडी में मराठी भाषा की क्या जरूरत है? इसी के साथ, उन्होंने कहा कि दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे स्थानों पर 'मराठी बयान'समझ में नहीं आएंगे। इस टिप्पणी पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ठाणे जिला इकाई के अध्यक्ष परेश चौधरी ने कड़ा ऐतराज जताया।

देशभर में धूमधाम से मना दशहरा

बारिश के बावजूद रावण दहन स्थलों पर उमड़ी भीड़

नई दिल्ली

आज पूरे देश में विजयादशमी बड़े उत्साह के साथ मनाई गई. जम्मू से लेकर दिल्ली, पटना, रांची और लखनऊ तक, हज़ारों जगहों पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए गए.

देशभर में विजयादशमी का पर्व आज बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. जम्मू से लेकर दिल्ली, पटना, रांची और लखनऊ तक हजारों जगहों पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया गया. लाखों लोगों ने इस मौके पर रामलीलाओं और आतिशबाजी का आनंद लिया.

प्रेसिडेंट मुर्मू हुईं शामिल

राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्री धार्मिक लीला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा बनी. वहीं, रावण के पुतले पर प्रतीकात्मक रूप से तीर चलाकर दहन की शुरुआत कीं. बारिश के बावजूद मैदान में भारी भीड़ रही. लोग छाते और रेनकोट पहनकर भी कार्यक्रम देखने पहुंचे. राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि ÷मानवता अच्छाई की जीत से ही आगे बढ़ती है. आतंकवाद जैसे राक्षस का नाश करना भी जरूरी है. भारतीय सेना का 'ऑपरेशन सिंदूर' इसी विजय का प्रतीक है.÷

दिल्ली समेत कई राज्यों में किया गया दहन

दिल्ली के परेड ग्राउंड में आयोजित रामलीला में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने रावण दहन किया. इस दौरान 50 फीट ऊंचे रावण और 45-45 फीट ऊंचे मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए गए. दिल्ली के अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों में भी दशहरा की रौनक दिखी. हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रावण दहन में हिस्सा लिया और इसे ÷सत्य की विजय का पर्व÷है. लुधियाना, वाराणसी, कानपुर, लखनऊ और प्रयागराज में भी रावण दहन कार्यक्रम हुए, जहां बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए.

जम्मू कश्मीर से भी सामने आया नजारा

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में हज़ारों लोगों ने उमंग के साथ पुतले जलते देखे. रांची में 70 फीट ऊंचे रावण का दहन किया गया. बारिश के बावजूद मैदान खचाखच भरा रहा।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ और स्थानीय विधायक भी मौजूद रहे. आतिशबाज़ी ने माहौल को और भी खास बना दिया. इस साल का दशहरा इस बात का गवाह बना कि बारिश भी लोगों के जोश को कम नहीं कर पाई. देश के हर कोने में एक ही संदेश गूंजा सत्य और अच्छाई की हमेशा जीत होती है.

पाकिस्तान ने सर क्रीक में कोई भी हरकत की तो भूगोल बदलने में देर नहीं करेंगे: रक्षा मंत्री

नई दिल्ली

असत्य पर सत्य की विजय पर्व पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान साफ साफ कह दिया कि यदि सर क्रीक में किसी भी तरह की कोई हरकत की तो भारत को इतिहास और भूगोल दोनों ही बदलने में देर नहीं लगेगी। ये उसी पावन धरा की सेना है जो 1965 में लाहौर तक तिरंगा फहराकर आई थी। उन्होंने कहा कि आज 2025 में पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची का एक रास्ता क्रीक से होकर गुजरता है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस इलाके तक भारत के डिफेंस सिस्टम को भेदने की नाकाम कोशिश की, जबकि भारत की सेनाओं ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह एक्सपोज कर दिया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की सीमाओं की रक्षा भारतीय सेनाएं और बीएसएफ मिलकर मुस्तैदी से कर रही हैं। अगर सर क्रीक इलाके में पाकिस्तान की ओर से कोई भी हिमाकत की गई तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे।

पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची का एक रास्ता क्रीक से होकर गुजरता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अपने सामर्थ्य के बावजूद हमने संयम का परिचय दिया, क्योंकि हमारी सैन्य कार्रवाई आतंकवाद के विरोध में थी। इसका विस्तार करके जंग छेड़ना ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य नहीं था। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के सभी सैन्य लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। मगर आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है।

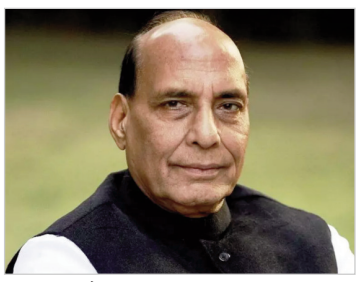

रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के 78 साल बीत जाने के बावजूद भी सर क्रीक इलाके में सीमा को लेकर एक विवाद खड़ा किया जाता है। भारत ने कई बार बातचीत के रास्ते इसका समाधान करने का प्रयास किया है, मगर पाकिस्तान की नीयत में ही खोट है, उसकी नीयत साफ नहीं है। जिस तरह से हाल में पाकिस्तान की फौज ने सर क्रीक से सटे इलाकों में अपना मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया है, वह उसकी नीयत बताता है।

रक्षा मंत्री ने कहा, मैं शस्त्र पूजा के इस अवसर पर, मां दुर्गा से यही प्रार्थना करता हूं, कि वह हमारे शस्त्रों को सदैव धर्म की रक्षा के लिए प्रेरित करें। हमारे सैनिकों को असीम शक्ति और साहस प्रदान करें, ताकि वो इसी तरह अधर्म और आसुरि शक्तियों के नाश के लिए काम करते रहें, और इस राष्ट्र को अजेय और अभेद्य बनाए रखें। थल सेना, वायु सेना और नौसेना, ये तीनों ही सेवाएं हमारी शक्ति के तीन स्तंभ हैं। जब ये तीनों सेवाएं मिलकर कार्य करती हैं, तभी हम हर चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना कर सकते हैं। हमारी सरकार लगातार अपनी सेनाओं की संयुक्तता पर जोर दे रही है। मैं आज इस अवसर पर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर अपने वीर जवानों और अधिकारियों को भी विशेष बधाई देना चाहता हूं।

राहुल गांधी ने कोलंबियो में कहा

भारत में लोकतंत्र पर हो रहे हैं हमले, विभिन्न विचारों को मिलना चाहिए स्थान

नई दिल्ली/कोलंबिया

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इन दिनों विदेश दौरे पर हैं और इसी बीच कोलंबिया में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं और लोकतंत्र का मतलब है कि अलग-अलग विचारों और मतों व आवाज़ों को जगह मिले। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी से सवाल पूछा गया कि क्या भारत और चीन अगले 50 वर्षों में विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं? इसके जवाब में राहुल ने कहा, चीन के बारे में तो मैं कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मुझे नहीं लगता कि भारत खुद को दुनिया का नेतृत्व करने वाला मानता है। भारत को पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि उसका लोकतंत्र मजबूत और समावेशी हो। राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश की ताकत उसकी विविधता और अलग-अलग दृष्टिकोणों को स्वीकारने की क्षमता होती है। लेकिन भारत में हाल के वर्षों में असहमति को दबाने और संस्थानों पर दबाव डालने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

भारत की यूरोप के साथ व्यापारिक साझेदारी में मील का पत्थर बनेगा ईएफटीए ट्रेड

नई दिल्ली

भारत अपने व्यापार और कारोबार के लिए हमेशा ही अगुआकार रहा है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) में स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन देश शामिल हैं। इससे भारत और इन देशों के बीच व्यापार करना आसान हो जाएगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, यह भारत का निवेश प्रतिबद्धता को शामिल करने वाला पहला व्यापार समझौता है, जिससे हितों को संतुलित किया जा सकेगा और भागीदारों के बीच निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सकेगी। भारत-ईएफटीए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) से देश में 100 अरब डॉलर का निवेश आएगा और दस लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी और इससे भारत की यूरोप के साथ व्यापारिक साझेदारी मजबूत होगी। भारत-ईएफटीए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट एक अक्टूबर से लागू हो गया है।

इस समझौते के लागू होते समय आयोजित किए गए इवेंट में पीयूष गोयल ने कहा कि चार ईएफटीए देशों की पूरी आबादी अकेले मुंबई शहर की आबादी से कम है, फिर भी साझेदारी ईएफटीए क्षेत्र के बड़े दिल और जबरदस्त क्षमता से प्रेरित है। गोयल ने समझौते के शुभ समय पर जोर दिया और कहा कि विजयादशमी के साथ नवमी को इसकी शुरुआत समृद्धि, स्पष्टता और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में समझौते द्वारा खोले गए व्यापक अवसरों को रेखांकित करते हुए, इसे वैश्विक व्यापार अस्थिरता, अस्पष्टता और व्यवधान के बीच टीईपीए को स्थिरता और निश्चितता का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भारत की कम लागत के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में डेटा की लागत अमेरिका के मुकाबले 3 प्रतिशत और वैश्विक औसत से 10 प्रतिशत से कम है।

गोयल ने कहा कि टीईपीए केवल टैरिफ में कमी या निवेश प्रतिबद्धता के बारे में नहीं है, बल्कि एक स्थिर, पूर्वानुमानित और विश्वसनीय ढांचा स्थापित करने के बारे में है जो निवेशकों का विश्वास बढ़ाए, अनिश्चितता की लागत कम करे और दुनिया को यह संकेत दे कि भारत और ईएफटीए सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीएम मोदी ने सुबह अचानक कांग्रेस अध्यक्ष को किया फोन, जाना हाल

शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की, खड़गे का हुआ है पेसमेकर ट्रांसप्लांट

नई दिल्ली

आज असत्य पर सत्य की जीत का त्यौहार दशहरा पूरे देश में मनाया जा रहा है। पीएम मोदी आज शाम को रावण दहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस बीच पीएम मोदी ने अचानक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन किया और उनका हाल जाना। उन्होंने खड़गे के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। खड़गे को बेंगलुरु के एक अस्पताल में पेसमेकर ट्रांसप्लांट के लिए भर्ती कराया गया था। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'खड़गे जी से बात की। उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उनके निरंतर स्वस्थ रहने और दीर्घायु होने की प्रार्थना करता हूं।' बता दें खड़गे को बुधवार सुबह चिकित्सा उपचार के लिए बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका पेसमेकर ट्रांसप्लांट किया गया। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बताया कि उनके पिता, मल्लिकार्जुन खड़गे की हालत चिकित्सा प्रक्रिया के बाद स्थिर है। प्रियांक ने एक्स पर लिखा- मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए पेसमेकर ट्रांसप्लांट प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। यह एक छोटी और मामूली प्रक्रिया थी। प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि खड़गे के 3 अक्टूबर से काम पर लौटने और अपने सभी तय कार्यक्रमों में

हिस्सा लेने की संभावना है। प्रियांक ने कहा कि सभी की चिंता, समर्थन और स्नेह के लिए हम आभारी हैं। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट से किए गए पोस्ट में लिखा कि खड़गे जी, आप शीघ्र स्वस्थ हों। आपको शक्ति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने बुधवार को अस्पताल पहुंचकर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का हालचाल जाना था।

भारत के 1687 लोगों की नेटवर्थ 167 लाख करोड़ रुपय

जीडीपी का आधा; अंबानी परिवार 9.55 लाख करोड़ रुपये के साथ सबसे अमीर

मुंबई/भोपाल

हुरुन इंडिया ने अपनी एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 जारी की, जिसमें भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों और परिवारों की संपत्ति के आधार पर सूचिबद्ध किया गया है। इस बार लिस्ट में 1,687 लोगों को शामिल किया गया है, जिनकी कुल नेटवर्थ लगभग 167 लाख करोड़ रुपये है। यह राशि भारत की जीडीपी के लगभग 50 प्रतिशत के बराबर है। खास बात यह है कि इस सूची में मध्यप्रदेश से 13 कारोबारियों को भी शामिल किया गया है। इनमें भोपाल के तीन और इंदौर से 10 उद्योगपति शामिल हैं।

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में मुकेश अंबानी और उनका परिवार 9.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ लगातार शीर्ष स्थान पर हैं। गौतम अडाणी और परिवार 8.15 लाख करोड़ की नेटवर्थ के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

युवा अरबपतियों का दबदबा

जेप्टो के को-फाउंडर कैवल्य वोहरा (22 वर्ष) इस लिस्ट में सबसे कम उम्र के सदस्य हैं। उनकी व्यक्तिगत संपत्ति 4,480 करोड़ आंकी गई है। उनके पार्टनर आदित पालिचा (23 वर्ष) भी शामिल हुए हैं। परप्लेक्सिटी एआई के फाउंडर अरविंद श्रीनिवास (31 वर्ष), 21,190 करोड़ की संपत्ति के साथ सबसे कम उम्र के अरबपति हैं। नए चेहरे और बॉलीवुड की एंट्री इस बार की लिस्ट में 284 नए नाम शामिल हुए हैं। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान पहली बार लिस्ट में शामिल हुए हैं, जिनकी संपत्ति 12,490 करोड़ रुपये है। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा भी फिर से अरबपति बन गए हैं। उनकी नेटवर्थ 15,930 करोड़ रुपये आंकी गई है।

अरबपतियों की संख्या में तेजी

भारत में अरबपतियों की संख्या अब 350 से अधिक हो गई है। यह आंकड़ा 2012 की तुलना में छह गुना ज्यादा है, जब पहली बार यह लिस्ट जारी हुई थी।

शहरों की हिस्सेदारी

मुंबई इस लिस्ट का हब है, जहां से 451 लोग इसमें शामिल हुए। दिल्ली से 223 और बेंगलुरु से 116 लोग सूचीबद्ध हुए। लिस्ट में 101 महिलाएं भी शामिल हैं।

हुरुन रिच लिस्ट में मध्य प्रदेश के भोपाल के कारोबारियों में दिलीप सूर्यवंशी दिलीप बिल्डकॉन 4,430 करोड़ रुपये, अनिल बंसल एवं परिवार बंसल ग्रुप 2,800 करोड़ रुपये, देवेंद्र जैन दिलीप बिल्डकॉन 2750 और सुधीर कुमार अग्रवाल एवं परिवार सागर मैन्युफैक्चरर्स 2,510 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसी प्रकार इस लिस्ट में इंदौर के दस करोबारियों के नाम शामिल हैं।

हुरुन लिस्ट का इतिहास हुरुन रिपोर्ट की शुरुआत 1999 में ब्रिटिश बिजनेसमैन रूपर्ट हूगेवर्फ ने लंदन से की थी। 2012 में

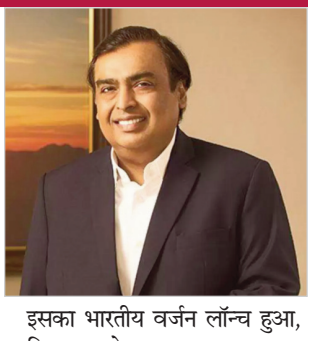

इसका भारतीय वर्जन लॉन्च हुआ, जिसका नेतृत्व अनास रहमान जुनैद कर रहे हैं। यह रिपोर्ट हर साल उन भारतीयों की लिस्ट जारी करती है, जिनकी संपत्ति 1000 करोड़ रुपये से अधिक होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक उथल-पुथल के दौर में देश तलाशे अपनी भूमिका

राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में, भारत-अमेरिका संबंध सुधरते दिख रहे था। हालांकि, इस वर्ष संकेत तब अशुभ हो गए, जब मई में हुई सैन्य झड़प के बाद - जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए पहलगाम नरसंहार के बाद हुई थी - ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनवाने का दावा किया। भारत ने इसका खंडन किया व स्पष्ट किया कि युद्धविराम दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच वार्ता से बना।

गुरबचन जगत

उथल-पुथल भरे मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में देश के लिए अपनी जगह व भूमिका की पहचान ज़रूरी है। खासकर संरक्षणवादी व वैश्वीकरण- विरोधी नीतियों के दौर में। बेशक 2008 के असैन्य परमाणु समझौते के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में बेहतरी शुरू हुई...

उथल-पुथल भरे मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में देश के लिए अपनी जगह व भूमिका की पहचान ज़रूरी है। खासकर संरक्षणवादी व वैश्वीकरण- विरोधी नीतियों के दौर में। बेशक 2008 के असैन्य परमाणु समझौते के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में बेहतरी शुरू हुई थी। लेकिन गत मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद तल्खी बढ़ी जो अब भारी टैरिफ दरें, एच-1बी वीज़ा व चाबहार प्रतिबंध तक जारी है।

हालिया घटनाएं मुझे फिर से एक बार इस पर विचार करने के लिए प्रेरित करती हैं कि वैश्विक परिदृश्य में खेले जा रहे सत्ता के खेल में भारत की जगह क्या हो और इसमें 'साउथ ब्लॉक' को क्या भूमिका निभाने की जरूरत है। पिछले कुछ वक्त से, राष्ट्रपति ट्रंप और उनका व्यक्तित्व जोकि अमेरिकी रणनीति को संचालित कर रहा है, इसको लेकर काफ़ी चर्चा जारी है। हालांकि यह एक कारक मात्र है, यह मान लेना कि इसका प्रभाव सब चीज़ों पर है, देश मामलों का अति सरलीकरण होगा; खासकर तब जबकि अमेरिका एक महाशक्ति है।

शायद हमारी अपनी राजनीति, जो लंबे समय से संस्थागत होने की बजाय व्यक्ति पर टिकी है, हमें दूसरों को भी अपने इसी नज़रिए से देखने के लिए मजबूर करती है...मेरी राय में यह एक गंभीर चूक है। सर्वप्रथम, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को ही लीजिए। हालांकि पाकिस्तान कभी-कभी अमेरिका के लिए एक उद्दंड बालक जैसी समस्या रहा है (विशेषकर अल-क़ायदा और ओसामा बिन लादेन के दौर में), फिर भी यह मुल्क दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी नीति में कुल मिलाकर एक अहम औजार रहा है। सोवियत संघ के विरुद्ध अफ़ग़ान मुजाहिदीन विद्रोह के दौरान पाकिस्तान ने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद, अफ़ग़ानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण और तालिबान के साथ युद्ध के दौरान, पाकिस्तान ने रसद सहायता और खुफ़िया जानकारी, दोनों प्रदान की, यानि इस तरह उसने तालिबान और हक्कानी नेटवर्क, दोनों के साथ, दोहरा खेल खेला, हालांकि उसे इसकी भारी क़ीमत चुकानी पड़ी।

'पैटन' टैंकों से शुरू करते हुए और आगे चलकर एफ-16 लड़ाकू विमान देना, पाकिस्तानी सेना को भी ज्यादातर अमेरिका ने ही सुसज्जित और प्रशिक्षित किया। बेशक,हालिया वर्षों में, उसे चीन के रूप में एक मज़बूत समर्थक भी मिल गया। मैं इस पुराने संबंध का ज़िक्र इस क्षेत्र में अमेरिका के रहे (और आज भी) रणनीतिक हितों पर प्रकाश डालने के लिए कर रहा हूं। अब एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ने अफ़ग़ानिस्तान से बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंपने की मांग की है, जो इसका संकेत है कि जल्द ही कोई कड़ी कार्रवाई होने वाली है।

सोवियत संघ के साथ हमारे संबंध और विशेष रूप से तीनों सेनाओं में रूस निर्मित हथियार और गोला-बारूद की आमद के चलते (हमारे अधिकांश पुराने उपकरण रूसी हैं) 20वीं सदी के अधिकांश समय में भारत-अमेरिका संबंधों को ठंडा या ज्यादा-से-ज्यादा गुनगुना ही कहा जा सकता है। सोवियत संघ विघटन और भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने से अमेरिका के साथ एक नई शुरुआत के लिए अनुकूल माहौल बना। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुए भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते ने भारत पर दशकों से लगे परमाणु प्रौद्योगिकी प्रतिबंध को खत्म करवाया और साथ ही एक तरह से परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र होने की मान्यता भी मिली। इससे भारत-अमेरिका संबंधों को काफी सकारात्मक गति मिली।

राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल में, भारत-अमेरिका संबंध सुधरते दिख रहे था। हालांकि, इस वर्ष संकेत तब अशुभ हो गए, जब मई में हुई सैन्य झड़प के बाद - जो पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए पहलगाम नरसंहार के बाद हुई थी - ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम पर सहमति बनवाने का दावा किया। भारत ने इसका खंडन किया व स्पष्ट किया कि युद्धविराम दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच वार्ता से बना। इसके बाद, ट्रम्प ने बारंबार युद्धविराम करवाने का दावा किया और कहा कि इस तरह उन्होंने एक संभावित परमाणु संघर्ष को टलवाया। स्थिति और मुश्किल बन गयी जब ट्रंप ने पाक सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को निजी लंच दिया (अमेरिका ने बाद में भी उनकी मेज़बानी की)। किसी देश में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री होते हुए उसके सेना प्रमुख को न्योता देना अपनी ही कहानी बयां करता है। न्योता तो हमारे प्रधानमंत्री को भी दिया गया था, जब वे कनाडा में थे, लेकिन उन्होंने पहले से तय कार्यक्रमों में व्यस्तता के चलते मना कर दिया (मौजूदा व्हाइट हाउस वासियों ने इसे हल्के में नहीं लिया होगा)।

पिछले साल अपनी चुनावी रैलियों में, ट्रंप ने भारत को 'टैरिफ किंग' ठहराया था और भारत तथा अन्य देशों पर, जिनके बारे में उनका दावा था कि अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन और व्यवहार में भारी अंतर हैं, उन पर तगड़ा टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। अंततः भारी टैरिफ लगा भी दिया; पहले 25 फीसदी , जो अपमानजनक है क्योंकि चीन को छोड़ हमारे पड़ोसी एशियाई देशों पर टैरिफ बहुत कम है और फिर रूसी तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 फीसदी (कुल 50 प्रतिशत तक निषेधात्मक) लगा दिया।

किसी कारण, हमारे विदेश और वाणिज्य मंत्रालय के अलावा मीडिया का बड़ा वर्ग इस मंडराते खतरे को नकारता दिखाई दिया, इस उम्मीद में कि हमारे नेताओं के व्यक्तिगत संबंधों से स्थिति संभाल ली जाएगी। फिलहाल ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब हमारी अर्थव्यवस्था के विरुद्ध और अधिक दंडात्मक उपायों की धमकी न दी जाती हो। एच-1बी वीज़ा प्रकरण (1,00,000 डॉलर शुल्क) हमारे ऊपर नवीनतम प्रहार है। इसका प्रभाव हमारी आईटी फर्मों और पेशेवरों पर दीर्घ काल में बहुत बड़ा रहेगा। हमें इन उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को किसी अन्य देश के हित में फिर से खो देने के बजाय, इनकी संभावित वतन वापसी हेतु अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

तो, हमें क्यों अलग-थलग करने के साथ निशाना बनाया जा रहा है? क्या यह मुख्यतः रूसी तेल का मामला है? अगर ऐसा होता, तो यूरोप और कई नाटो देश भी इसके दोषी होते। अगर नहीं, तो क्या हम एक बहुत बड़े खेल में 'मोहरा' बन रहे हैं? शोचनीय है , सऊदी-पाक सैन्य समझौता इतनी जल्दी कैसे संभव है? अमेरिका के आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं।

ईरान में चाबहार बंदरगाह पर प्रतिबंधों में ढील वापस लेना हम पर किया गया अन्य आघात रहा। यह बंदरगाह इस क्षेत्र में हमारे प्रमुख रणनीतिक हितों में से एक था और इससे हमें मध्य एशियाई बाजारों और अफ़ग़ानिस्तान तक पहुंचने में मदद मिलती। हो सकता है अमेरिका द्वारा ईरान पर हाल में की गई बमबारी और अमेरिका-पाकिस्तान के बीच हो रहे समझौतों ने इस पर असर डाला हो। संभवतः ये कदम इस क्षेत्र में बढ़ रहे चीनी प्रभाव का मुकाबला करने को उठाए जा रहे हों। चीन ईरानी तेल का बड़ा खरीदार है। चीन और अफ़ग़ानिस्तान दुर्लभ धातु अयस्क खनन पर समझौते कर रहे हैं। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव इस क्षेत्र से गुज़रती है - इसमें कई खेल संभव हैं।

मैं अपने निकटतम पड़ोस पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका, सभी में थोड़े अंतराल में हिंसक सत्ता परिवर्तन हुए। ये सब अचानक हुए विस्फोट प्रतीत होते हैं, पक्का नहीं कि ये सिर्फ अंदरूनी अशांति का परिणाम थे या विदेशी ताकतों की शह से पैदा समस्या। हम मणिपुर समस्या का समाधान नहीं खोज सके और म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल से घिरे उत्तर-पूर्व में समस्याएं गहरा रही हैं। अरसे से लटकता समाधान, जिसमें समस्या की पहचान व निदान का कोई प्रयास नहीं किया गया, लद्दाख अंततः उबल पड़ा है। चीन के साथ सीमा विवादों के मद्देनजर यह घटनाक्रम भारतीय राष्ट्र के हित में नहीं। अपने नागरिकों के खिलाफ घातक हथियारों का इस्तेमाल, यदि करना भी पड़े, तो अंतिम विकल्प हो।

मौजूदा अशांत स्थितियों के मद्देनजर जब पूरे विश्व में तनाव उत्पन्न हो रहा है और राष्ट्र-राज्य संरक्षणवाद व वैश्वीकरण- विरोधी रुख अपना रहे हैं, हमें परिस्थिति जन्य परिदृश्य में अपना स्थान पहचानने की आवश्यकता है, ताकि घटनाएं हम हावी न हो पाएं।

लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

संपादकीय

करूर भगदड़ : मौत या हत्या

तमिलनाडु के करूर जिले में एक रैली में भगदड़ मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़ बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़ के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़बड़ हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़ के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़ ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ़ गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गई। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़ में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़ न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया? राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़ बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़ के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

पापांकुशा एकदशी का व्रत करने से मिट जाते है सभी पाप

(3 अक्टूबर पापांकुशा एकादशी)

आज पापांकुशा एकादशी का पर्व है। पर्व का अर्थ है, कुछ विशेष दिन। पर्व पवित्रता और श्रेष्ठता का भी सूचक है। ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक पत्र की पाँच तिथियाँ पर्व-तिथि कहलाती हैं। द्वितीया, पंचमी, अष्टमी, एकादशी तथा चतुर्दशी एवं पूर्णिमा। पर्व-तिथि मानने का भी एक मनौवैज्ञानिक तथा कर्मशास्त्रीय कारण है।द्रव्य, क्षेत्र, काल, समय आदि का प्रभाव भी कर्मों को उदय व क्षयोपशम भाव में उनके तीव्र-मन्द प्रभाव में निमित्त बनता है। किसी समय में जैसे पुष्य नक्षत्र आदि हैं। प्रारम्भ की गई ज्ञानाराधना तथा अमुक नक्षत्र में ध्यान-साधना विशेष शीघ्र फलदायी होती है। वैसे ही अमुक तिथि को किया गया अमुक कार्य शीघ्र लाभदायी होता है। तिथियों का सम्बन्ध ज्योतिष शास्त्र से है। ज्योतिष का आधार है यह कर्मयोगी। मुख्य बात यह है कि इन तिथियों में विशेष धर्मध्यान, तप, त्याग करके शुभ भावनापूर्वक समय को सार्थक बना देने का उद्देश्य है, जिससे प्राणी को शुभ गति का बंध हो सकता है। दो दिन के अन्तर से एक दिन जीवन में शुभ ध्यान ध्याने के उद्देश्य से पर्व-तिथियों में उपवास, एकासना या विविध त्याग करके धार्मिक संस्कारों को जीवन्त रखा जाता है। इन्हीं पर्व-तिथियों में पापाकुंशा एकादशी एक विशेष पर्व है।

एकादशी की लिखावट की ओर ध्यान दीजिये। इसमें एक का अंक दो बार लिखा गया है। गणित में 1से 1 तक के अंक हैं। इनमें 1 का अंक कुछ विशेष महत्त्व रखता है।1 यह एकाकी शक्ति है। यदि इसके पास एक दूसरा 1अंक रख दिया तो दो एका 1-1 मिलकर ग्यारह (11) हो गये। दो एक मिलते ही एक की शक्ति दस गुनी बढ़ गई। अध्यात्मशास्त्र में पहला 1 अंक ज्ञान का प्रतीक है, दूसरा 1अंक आचरण का प्रतीक है। अगर अकेला ज्ञान है, तो वह मात्र एक के अंक का मूल्य रखता है, किन्तु यदि ज्ञान के साथ आचरण भी जुड़ गया तो उस ज्ञान की शक्ति गुना बढ जाती है।

आज पूरी श्रद्धा के साथ पापाकुंशा एकादशी का व्रत कर प्रभु से घर मे सुख शांति का वरदान की कामना करता है।बड़े बड़े अपराध समाप्त हो जाते है।सभी पाप नष्ट हो जाते है।जीवन मे सौभाग्य की कामना के लिए इस व्रत का बहुत अधिक महत्व है।पापांकुशा एकादशी के व्रत के पीछे पौराणिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।हिन्दू धर्म मे एकादशी का बड़ा महत्व है।हर माह में शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की एकादशी का बहुत महत्व है।ये तिथियां भगवान विष्णु को समर्पित होती है।भगवान को समर्पित होने वाली तिथियां का महत्व बढ़ जाता है।उस तिथि पर व्रत,दान और तप आराधना का फल शीघ्र मिलता है।आज अश्वनी माह की शुक्ल पक्ष की पापांकुशा एकदशी का व्रत कर भगवान से सुख -समृद्धि का वरदान मांगते है।पापों के नाश करने वाली पापांकुशा एकादशी मन की शांति और समृद्धि का धोतक है।यह एकादशी मन वांछित फल प्राप्ति के लिए वरदान से कम नही है।मृत्यु के पश्चात मोक्ष प्रदान करती है।लोगो की मान्यता है कि इस व्रत को रखने के लिए यमलोक की यातना से छुटकारा मिल जाता है।अर्थात यमलोक में यातना नही सहन करनी पड़ती है।पापांकुशा एकदशी पर ब्राह्मणों को को भोजन कराकर उनको दक्षिणा देने की परम्परा आज भी अक्षुण्ण है।तुलसी जी को विष्णुप्रिया भी कहा गया है। ऐसे में तुलसी पत्र के बिना विष्णु जी का भोग अधूरा माना जाता है। अगर आप अपनी मनोकामना की पूर्ति चाहते हैं, तो एकादशी की पूजा के भोग में तुलसी दल जरूर रखें।

मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद भगवान राम और उनके भाई भारत का मिलाप भी इसी एकादशी के दिन हुआ था। इसी कारण से इस तिथि का महत्व अनंत गुना बढ़ जाता है। पापांकुशा एकादशी व्रत करने से आध्यात्मिक ऊर्जा की वृद्धि होती है । सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाने से सुख शांति में वृद्धि होती है। इस व्रत को करने से पापों पर अंकुश लग जाता है इसी कारण से पापांकुशा एकादशी कहा जाता है। नियमों से ही परिवार समाज और राष्ट्र की संरचना होती नियमों और व्रतों को निखार और भार स्वरुपा नहीं समझना वाहिये परिवार, समाज और राष्ट्र में जीने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिये नियमों का पालन नितान्त आवश्यक है। आज देश में जो नियमों की अवहेलना हो रही है उसके पीछे स्वछंद वातावरण का प्रभाव है। स्वेच्छाचारिता की मनोवृति के चलते नियमबद्धता एक हवा बनाई जाती है। उसका प्रभाव बच्चों तक के जीवन पर पहुंचता है। परिणाम स्वरूप नियम भंग करना मामूली बात समझ ली जाती है ।बचपन से ही बच्चा अनियमित होना शुरु हो जाता है। आगे बढ़ कर वह बड़ा होने पर भी नियमों को दिल की तरह तोड़ता रहता है और अनेक असामाजिक कार्य करता है।व्रत, दान जीवन को व्यवस्थित करने के नियम है।

धर्म प्राकृतिक और शासकीय नियमों को और अधिक विस्तार देता है तथा उन नियमों का आध्यात्सिक मूल्य प्रदान करता है। व्रत उपवास नियमों की ही घनात्मक साधना है। उन्नती सहन शीलता और क्षमता के नये द्वार उद् घाटित हो जाते हैं। जीवन और चरित्र की शुद्धि के नये आयाम स्थापित होते हैं।

व्रत जीवन के लिये के लिए विधान है जो जीवन की उपयोगिता को अनेक गुणा बढ़ा देते हैं। जीवान के क्रिया कलाप व्रत- नियमों से मर्यादित होकर ऐसे ही सार्थक हो जाते हैं जैसे नदी के दो किनारों से लगकर बहने वाला पानी का प्रवाह, किनारों के बीच बहने वाला प्रवाह जहाँ जन-जन के लिये लोक मंगल सम्पादित कर देता है।वही किनारों को तोड़ कर बहने वाला पानी भयंकर विनाशा पैदा कर देता है।

जीवन की धारा भी नियम व्रतों के मर्यादित तटो को स्पर्श करती हुई ही बहे । उसी से स्व-पर मंगल का पवित्र संपादना संभव होगा ।इस व्रत को करने वाला दिव्य फल प्राप्त करता है।

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए।

सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है।

दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

विचार मंथन

आयुष्मान योजना - क्या भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा की नाव डूब रही है?

(लेखक- सनत जैन)

भारत की स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से 2018 में शुरू की गई आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) को अब तक दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना बताया गया है। इसे लेकर दावा किया जा रहा था कि देश के करोड़ों गरीब परिवार बिना आर्थिक बोझ के गंभीर बीमारियों का इलाज करा सकेंगे। लेकिन हाल ही में सामने आई मीडिया रिपोर्ट ने इस योजना की जमीनी हकीकत को उजागर करने का काम कर दिया है, जो न केवल चौंकाने वाली है बल्कि चिंताजनक भी कही जा रही है। दरअसल आयुष्मान को लेकर सबसे बड़ा वादा था कि कोई भी गरीब परिवार इलाज से वंचित नहीं रहेगा। मगर हकीकत यह है कि योजना के तहत आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अनेक मरीजों को अस्पतालों में भर्ती नहीं किया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 2019 में बरेली के मतलूब हुसैन की मौत चार निजी अस्पतालों द्वारा इलाज से इनकार किए जाने के कारण हुई। इसी तरह दिसंबर 2024 में बेंगलुरु की 72 वर्षीय महिला गैस्ट्रिक कैंसर के इलाज में असफल रही और आत्महत्या कर ली। इस तरह के अनेक घटनाएँ बताती हैं कि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का दावा कागज़ों पर ही सिमटा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2025 तक योजना के तहत अस्पतालों को 1.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है। हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मणिपुर जैसे राज्यों में अरबों रुपये की राशि महीनों से अटकी पड़ी है। अनेक डॉक्टर्स तो यह कहते हैं, यदि 20,000 रुपये का बिल बनता है तो उन्हें मात्र 3,000 से 4,000 रुपये ही मिलते हैं। इतना ही नहीं, भुगतान में देरी पर ब्याज देने का प्रावधान होने के बावजूद इसका पालन नहीं होता। परिणामस्वरूप, अस्पताल अब इस योजना से मुँह मोड़ रहे हैं। हरियाणा में 774 में से 650 निजी अस्पताल बाहर हो चुके हैं। अन्य राज्यों में भी यही स्थिति है। छोटे और मध्यम अस्पताल, जो ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं, सबसे अधिक संकट में हैं। बड़े कॉर्पोरेट अस्पताल तो पहले से ही इस योजना से दूरी बनाए हुए हैं क्योंकि पैकेज दरें उनके अनुसार नुकसानदायक हैं।

भुगतान संकट के अलावा योजना तकनीकी गड़बड़ियों से भी जूझ रही है। 2024 में शुरू किए गए नए क्लेम पोर्टल में बार-बार खराबी आ रही है, जिससे अस्पताल मरीजों के केस अपलोड नहीं कर पा रहे। साथ ही, पैकेज दरें 2021 से अपरिवर्तित हैं, जबकि चिकित्सा लागत कई गुना बढ़ चुकी है। औसतन योजना में किसी ऑपरेशन या इलाज के लिए 13,000-15,000 रुपये मिलते हैं, जबकि वास्तविक खर्च 40,000 रुपये तक पहुँच जाता है। इस अंतर को अस्पताल झेल नहीं पा रहे। इतनी बड़ी योजना में धोखाधड़ी की आशंका स्वाभाविक है और यह सच भी साबित हो रहा है। छत्तीसगढ़ में फर्जी मरीजों के नाम पर बिलिंग, डबल-बिलिंग और अन्य घोटाले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक किए गए 6.66 करोड़ क्लेम में से 2.7 लाख को अमान्य घोषित किया गया है। यह न केवल सरकारी धन की बर्बादी है बल्कि असली मरीजों के अधिकारों का भी हनन है। इस संबंध में विशेषज्ञ कहते हैं कि इस योजना को सफल बनाने के लिए हर साल कम से कम 1.6 लाख करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इसके विपरीत, 2024-25 के लिए केवल 7,299 करोड़ और 2025-26 के लिए 9,406 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह स्पष्ट करता है कि सरकार इस योजना को लेकर गंभीर नहीं है। कम बजट, भुगतान की देरी और बढ़ती लागत—ये तीनों कारक मिलकर योजना को विफलता की ओर धकेल रहे हैं। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर.वी. असोका ने इसे असंभव योजना बताते हुए कहा है कि यह स्वास्थ्य से ज्यादा राजनीति का साधन है। उनके अनुसार, बिना पर्याप्त धन और पारदर्शिता के ऐसी कोई भी योजना लंबे समय तक नहीं टिक सकती। यदि निजी अस्पताल बाहर हो गए और सरकारी अस्पतालों पर ही पूरा बोझ आ गया, तो आम मरीजों के लिए यह योजना एक बेकार कार्ड से ज्यादा कुछ नहीं रह जाएगी।

इस स्थिति में होना तो यह चाहिए कि योजना का वार्षिक बजट वास्तविक जरूरतों के अनुरूप किया जाना चाहिए। केवल नाम भर के आवंटन से काम नहीं चलेगा। राज्यों पर बकाया भुगतान का बोझ कम करने के लिए केंद्र को अधिक हिस्सेदारी निभानी होगी। क्लेम की जाँच और भुगतान की प्रक्रिया को त्वरित और स्पष्ट बनाया जाना चाहिए। चिकित्सा लागत बढ़ने के अनुरूप दरें तय की जानी चाहिए, ताकि मरीजों का इलाज भी हो और अस्पतालों को नुकसान भी न हो। तकनीक का उपयोग कर फर्जीवाड़े और डबल-बिलिंग पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए। छोटे और मध्यम अस्पतालों को साथ लिए बिना योजना सफल नहीं हो सकती।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस साल यूपीआई लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब पहुंची

नई दिल्ली इस साल सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या 31 फीसदी बढ़कर 19.63 अरब हो गई है। साथ ही इन लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर 24.90 लाख करोड़ पर पहुंच गई। यह जानकारी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) ने दी। एनपीसीआई के मुताबिक औसत प्रति दिन लेनदेन की वैल्यू सितंबर में बढ़कर 82,991 करोड़ पर पहुंच गई, जो कि अगस्त में 80,177 करोड़ रुपए थी। सितंबर में प्रति दिन औसत 65.4 करोड़ लेनदेन हुए, जो कि अगस्त में औसत 64.5 करोड़ थे। इससे पहले अगस्त में यूपीआई ने पहली बार 20 अरब मासिक लेनदेन का आंकड़ा पार किया था। 2 अगस्त को रिकॉर्ड 70 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए थे। इसके अलावा एनपीसीआई ने पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की कुछ श्रेणियों के लिए लिमिट को बढ़ाकर 10 लाख रुपए 24 घंटों के लिए कर दिया है। हालांकि एनपीसीआई ने पर्सन-टू-पर्सन के लिए लिमिट को एक लाख रुपए प्रति दिन पर बरकरार रखा था। अब एक लेनदेन में 5 लाख रुपए तक के क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान यूपीआई के जरिए करने की अनुमति है, हालांकि 24 घंटे की सीमा 6 लाख रुपए तय की गई है। नए फ्रेमवर्क के तहत कैपिटल मार्केट और इंश्योरेंस पेमेंट के लिए प्रति लेनदेन सीमा 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है, जबकि दैनिक सीमा 10 लाख रुपए है। सरकारी ई-मार्केट प्लेस लेनदेन की सीमा 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए प्रति लेनदेन कर दी गई है। यात्रा बुकिंग, ऋण चुकौती और ईएमआई संग्रह के लिए प्रति लेनदेन सीमा भी एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है।

स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया टाटा मोटर्स

नईदिल्ली केंद्रीय मोटर व्हीकल नियमों में बदलाव करके साल 2020 में सरकार ने यह प्रावधान किया था कि पैसेंजर व्हीकल को स्पेयर टायर के साथ बेचने की आवश्यकता नहीं होगी, यदि उसमें ट्यूबलेस टायर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और पंचर रिपेयर किट मौजूद हो। उस समय यह बदलाव थोड़ा असामान्य लगा, लेकिन पांच साल बाद यह प्रथा धीरे-धीरे न सिर्फ प्रीमियम कारों में बल्कि मुख्यधारा की कारों में भी आम हो गई है। यूरोपीय बाजारों में यह वर्षों से चलन में है। टाटा मोटर्स ने अपनी छोटी इलेक्ट्रिक कारों जैसे पंच ईवी और टियागो ईवी के साथ-साथ हैरियर और सफारी पर भी स्पेयर टायर हटाना शुरू कर दिया है। वहीं, मारुति सुजुकी ने फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा के कुछ वैरिएंट से स्पेयर हटाया है। उल्लेखनीय है कि सभी वैरिएंट से स्पेयर टायर हटाने का पहला काम मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने किया। कार से स्पेयर टायर हटाने के पीछे कई कारण हैं। सड़कों की स्थिति में सुधार, बेहतर टायर गुणवत्ता, टीपीएमएस और पंचर रिपेयर किट जैसी तकनीक, और टायर रिपेयर की दुकानों की उपलब्धता इसे संभव बना रही हैं। इसके अलावा, स्पेयर टायर हटाने से वाहन का वजन कम होता है, जिससे ईंधन दक्षता बढ़ती है और स्पेस का उपयोग सीएनजी सिलेंडर जैसे विकल्पों के लिए किया जा सकता है। हालांकि, कुछ कार मालिकों को यह बदलाव पसंद नहीं है, क्योंकि स्पेयर टायर लंबे समय से मोटरिंग सुरक्षा का अहम हिस्सा रहा है। फिर भी, बेहतर क्वालिटी के टायर और टीपीएमएस जैसी तकनीकें अब पहले ही प्रेशर में कमी आने की सूचना दे देती हैं।

चालू वित्त वर्ष में आरबीआई से नीतिगत दर में एक और कटौती की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली क्रिसिल की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी दरों में कटौती और कच्चे तेल की कम कीमतों के कारण इस वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति चिंता का मुख्य विषय नहीं है । रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) द्वारा दरों में कटौती की शुरुआत ने आरबीआई के लिए दरों में कटौती की गुंजाइश बढ़ा दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेड ने सितंबर में नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की थी। एसएंडपी ग्लोबल को उम्मीद है कि कैलेंडर वर्ष 2025 के बाकी बचे समय में 25 आधार अंकों की दो और कटौती की जाएगी और हमें चालू वित्त वर्ष में आरबीआई द्वारा एक और दर कटौती की उम्मीद है। जीएसटी सुधार से मुद्रास्फीति में राहत मिलने की संभावना है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उत्पादक इस कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों पर कब डालते हैं। खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर जीएसटी में कटौती की गई है, जिससे मुद्रास्फीति में महत्वपूर्ण कमी आने की संभावना है।प्रमुख खरीफ फसल उत्पादक राज्यों में अत्यधिक बारिश के कारण खाद्य मुद्रास्फीति को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद, पर्याप्त जलाशय स्तर रबी उत्पादन के लिए अच्छा संकेत हैं।

जीएसटी 2.0 से उत्तर प्रदेश में विकास को मिली रफ्तार, पीतल से लेकर चमड़ा उद्योग को हो रहा फायदा

नई दिल्ली

जीएसटी सुधार ने उत्तर प्रदेश की विविध अर्थव्यवस्था को लक्षित राहत प्रदान की है, जिसमें जीआई-पंजीकृत कालीन, पीतल के बर्तन, जरदोजी, जूते, चीनी मिट्टी के उत्पादन, खेल के सामान और सीमेंट शामिल हैं।

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि कम कर दरों से परिवारों की सामर्थ्य में सुधार होगा, कारीगरों पर कार्यशील पूंजी का दबाव कम होगा और घरेलू तथा वैश्विक दोनों बाजारों में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। जीएसटी में टैक्स की दरें कम होने से भदोही के कालीन, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और सहारनपुर के लकड़ी के सामान के 6-7 प्रतिशत सस्ते होने की उम्मीद है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और लाखों कारीगरों के रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भदोही-मिर्जापुर-जौनपुर क्षेत्र भारत के सबसे बड़े हाथ से बुने और बुने हुए कालीन क्लस्टर में से एक है। जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने के बाद, हाथ बने कालीन सस्ते हो गए हैं। कानपुर-आगरा क्षेत्र में 15 लाख श्रमिकों को रोजगार देने वाले चमड़ा और फुटवियर क्लस्टरों को भी जीएसटी दर में कटौती से लाभ मिलेगा, जिससे एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा और निर्यात में वृद्धि होगी। जीएसटी सुधारों से उत्तर प्रदेश में लकड़ी के खिलौने और शिल्प क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा, जो पारिवारिक कारीगरों द्वारा संचालित है, जिनमें से कई अपने घरों से काम करते हैं। केवल वाराणसी और चित्रकूट के क्लस्टर लगभग 15,000-25,000 कारीगरों को रोजगार देते हैं, जबकि सहारनपुर में लकड़ी के काम और नक्काशी में लगे हजारों कारीगर रहते हैं। रामपुर भी इस पारंपरिक शिल्प नेटवर्क का हिस्सा है। ये क्लस्टर मेलों, धार्मिक खिलौनों और सजावट के माध्यम से मजबूत घरेलू मांग को पूरा करते हैं, और इनसे यूरोप और खाड़ी देशों तक मामूली निर्यात भी होता है। जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खिलौने और छोटे शिल्प सस्ते होने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीदः केंद्र

नई दिल्ली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) से 1.41 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। यह योजना बनाते समय की गई परिकल्पना 91,600 से करीब 1.5 गुना है। यह जानकारी केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को दी गई। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक दस्तावेज में कहा कि ईसीएमएस के तहत सरकार को 1.15 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो तय लक्ष्य 59,350 करोड़ रुपए से करीब दो गुना है। ईसीएमएस के लिए एप्लीकेशन विंडो 30 सितंबर को बंद हो गई है। इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम में बड़े निवेश आकर्षित करना, क्षमता विकसित करके घरेलू मूल्य संवर्धन (डीएवी) और भारतीय कंपनियों को ग्लोबल वैल्यू चेन (जीवीसी) के साथ इंटीग्रेट करके एक मजबूत कंपोनेंट इकोसिस्टम विकसित करना है। इस स्कीम में सरकार द्वारा भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को विभिन्न श्रेणियों के कंपोनेंट्स और सब-असेंबली के लिए अलग-अलग तरह के प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे टेक्नोलॉजिकल क्षमताएं और स्केल को हासिल कर पाएं।

रियलमी ने दिए संकेत, प्रशंसक की चाहत बढ़ी अब आगे क्या होगा

नई दिल्ली रियलमी ने एक बार फिर प्रशंसकों और तकनीक प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसने आगामी सहयोग के बारे में बातचीत और अटकलों को जन्म दे दिया है, जिससे प्रशंसक यह जानना चाहते हैं कि आगे क्या होगा। पिछले कुछ सालों में रियलमी ने इनोवेशन को पॉप संस्कृति के साथ मिलाकर, युवा दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होने वाले यादगार अनुभवों का निर्माण करने वाले ब्रांड के रूप में अपनी छवि बनाई है। यह नया संकेत उसी दिशा में आगे बढ़ता है, जो अपनी कहानियों, पौराणिक पात्रों और शक्ति के प्रतिष्ठित प्रतीकों के लिए प्रसिद्ध एक ऐसे यूनिवर्स के साथ साझेदारी का सुझाव देता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वोंग द्वारा साझा किया गया यह वाक्यांश महाकाव्य युद्धों, शक्तिशाली राजवंशों और ऐसी दुनिया की कल्पना को उजागर करता है जहां रणनीति, डिजाइन और नियति एक साथ आते हैं, यह संकेत देता है कि यह सहयोग जितना कल्पनाशील है, उतना ही मनोरंजक भी हो सकता है। रियलमी ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन समय और शब्दों के चयन ने प्रशंसकों और मीडिया को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है कि यह ब्रांड के अब तक के सबसे महत्वाकांक्षी सहयोगों में से एक हो सकता है। ब्रांड का दृष्टिकोण न केवल तकनीक के प्रति, बल्कि ऐसे अनुभव बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो कल्पना को पकड़ें और दुनिया भर के दर्शकों से गहराई से जुड़ें। प्रशंसकों को रियलमी के सोशल चैनलों को बारीकी से फॉलो करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि आने वाले हफ्तों में और भी नए आश्चर्य और संकेत सामने आने की उम्मीद है। यह संभावित सहयोग रियलमी के उस दृष्टिकोण को रेखांकित करता है जिसमें तकनीक को संस्कृति के साथ मिलाकर ऐसे अनुभव प्रदान किए जाते हैं जो अभिनव और अविस्मरणीय दोनों हों।

ईएसआईसी ने अदालती मामलों के निपटारे के लिए नई एमनेस्टी योजना के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अदालती मामलों के निपटारे और अभियोजन मामलों की वापसी के लिए नई एमनेस्टी योजना 2025 के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस उपाय का उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और मुकदमेबाजी के बोझ को कम करना है, जिससे व्यापार को आसान बनाया जा सके। एमनेस्टी स्कीम 2025 एक वन-टाइम विवाद समाधान पहल है जिसका उद्देश्य अदालती मामलों के लंबित मामलों को कम करना, ईएसआई अधिनियम के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।

यह योजना नियोक्ताओं और बीमित व्यक्तियों को अदालतों के बाहर व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से विवादों का निपटारा करने का अवसर प्रदान करती है। यह योजना 1 अक्टूबर से 30 सितंबर, 2026 तक लागू रहेगी। यह योजना बंद और चालू दोनों इकाइयों दोनों के विवादों पर लागू होती है। पांच वर्षों से अधिक समय से बंद इकाइयों के मामले वापस ले लिए जाएंगे, इसमें वे इकाइयां शामिल हैं, जिनके मुकदमे पांच वर्षों से लंबित हैं और जिनका कोई मूल्यांकन नहीं हुआ है। वहीं, पांच वर्षों के अंदर बंद इकाइयों को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने होंगे, स्वीकृत बकाया राशि ब्याज सहित चुकानी होगी और वे किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होंगी। चल रही इकाइयां अपने दावों के समर्थन में रिकॉर्ड प्रस्तुत करके भी विवादों का निपटारा कर सकती हैं और उन पर कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें नियोक्ताओं ने ईएसआईसी पोर्टल पर फॉर्म-01 के माध्यम से स्वेच्छा से पंजीकरण

कराया है, उन्हें इससे बाहर रखा गया है।

विवाद समाधान के लिए एक व्यावहारिक, पारदर्शी और नियोक्ता-अनुकूल तंत्र प्रदान करके, यह योजना प्रक्रियागत बाधाओं को दूर करती है, लंबे समय से लंबित मामलों को तेजी से निपटाने में मदद करती है और हितधारकों के बीच विश्वास पैदा करती है। बयान में कहा गया है कि इससे नियोक्ताओं के लिए परिचालन संबंधी चुनौतियां कम होंगी, अदालतों पर कानूनी बोझ कम होगा और एक प्रगतिशील एवं उत्तरदायी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के रूप में ईएसआईसी की भूमिका और मजबूत होगी।

सरकार ने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों को तोड़ने के लिए 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को जारी किए नोटिस

नई दिल्ली

फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया (एफआईयू - आईएनडी) ने 25 ऑफशोर क्रिप्टो एक्सचेंज को एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग नियमों का पालन न करने के लिए नोटिस भेजा है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से बयान में दी गई। ये नोटिस प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की धारा 13 के तहत जारी किए गए थे। यह धारा अधिकारियों को जांच शुरू करने, कंपनी के रिकॉर्ड की जांच करने, ग्राहक विवरणों का सत्यापन करने और संदिग्ध लेनदेन पर रिपोर्ट मांगने का अधिकार देती है। नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों पर प्रत्येक उल्लंघन के लिए 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। जिन 25 विदेशी कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें सिंगापुर की कॉइनडब्ल्यू, यूके की बीटीसीसी, हांगकांग की चांगेली और अमेरिका की पैक्सफुल शामिल हैं। अन्य कंपनियों में कंबोडिया की हुइओन, अमेरिका और यूके की सीईएक्सडॉटआईओ, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स की एलबैंक, सेंट लूसिया की प्राइमएक्सबीटी, हांगकांग की कॉइनएक्स, सिंगापुर की रेमीटानो, बोस्टन की पोनोनिएक्स, सेशेल्स की बिटमैक्स और लिकटेंस्टीन की एलसीएक्स शामिल हैं। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत अलग-अलग नोटिस भी जारी किए हैं, जिनमें पीएमएलए के तहत उचित पंजीकरण के बिना भारत में चल रहे ऐप्स और वेबसाइटों को हटाने का अनुरोध किया गया है। फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया की स्थापना 2004 में की गई थी। यह संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए जिम्मेदार मुख्य एजेंसी है। मौजूदा समय में 50 क्रिप्टो वॉलेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया के पास पंजीकृत हैं। हालांकि, कई विदेशी कंपनियां बिना पंजीकरण के भारत में काम कर रही हैं, जिससे वे एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर-फाइनेंशिंग ऑफ टेररिज्म (एएमएल-सीएफटी) ढांचे से बाहर हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय यूजर्स को सेवा प्रदान करने वाले सभी क्रिप्टो वॉलेट सर्विस प्रोवाइडर्स (चाहे वे भारत में स्थित हों या विदेश में) को एफआईयू-आईएनडी के साथ पंजीकरण करना होगा।

एनआईटीईएस का आरोप, टीसीएस ने पुणे में 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया

नई दिल्ली नैसेंट आईटी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर आरोप लगाया है कि कंपनी पुणे में करीब 2,500 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर रही है। एनआईटीईएस एक फोरम है, जो कि आईटी सेक्टर के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। यह आरोप एनआईटीईएस के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह सलूजा द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे गए पत्र में लगाया गया है, जिसमें प्रभावित कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। एनआईटीईएस के अनुसार, केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने महाराष्ट्र के श्रम सचिव से इस मामले की जांच करने को कहा है। हालांकि, सलूजा ने कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति और भी खराब हो गई है, हाल के हफ्तों में पुणे में हजारों कर्मचारियों को कथित तौर पर अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एनआईटीईएस ने दावा किया कि इनमें से कई कर्मचारी मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर हैं, जिन्होंने टीसीएस में 10 से 20 साल बिताए हैं, और ज्यादातर की उम्र 40 साल से अधिक है। एनआईटीईएस ने कहा कि मौजूदा बाजार में नई नौकरियां ढूंढ़ना उनके लिए बेहद मुश्किल है, क्योंकि उनके पास होम लोन, स्कूल की फीस और बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल जैसी वित्तीय जिम्मेदारियां हैं।

केंद्र ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में पीआरआईपी योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव किए आमंत्रित

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार संवर्धन (पीआरआईपी) योजना के तहत उद्योग और स्टार्टअप परियोजनाओं के लिए लगभग 11,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

औषधि विभाग ने अपनी पीआरआईपी योजना के तहत अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह योजना इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और इनोवेशन-संचालित क्षेत्र में बदलने की एक ऐतिहासिक पहल है।

5,000 करोड़ रुपए के स्वीकृत परिव्यय के साथ, इस योजना से नई दवाओं, जटिल जेनेरिक दवाओं, बायोसिमिलर और नए चिकित्सा उपकरणों में लगभग 11,000 करोड़ रुपए के कुल अनुसंधान एवं विकास निवेश वाली लगभग 300 परियोजनाओं को समर्थन देकर फार्मा-मेडटेक इनोवेशन पाइपलाइन को गति मिलने की उम्मीद है।

विभाग ने पहले अधिसूचित योजना में संशोधनों को अधिसूचित किया है और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। संशोधित योजना के तहत, प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए, एमएसएमई और स्टार्टअप 5 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए 9 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाओं के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए, उद्योग, एमएसएमई और स्टार्टअप्स की 285 करोड़ रुपए तक की लागत वाली परियोजनाएं 100 करोड़ रुपए तक की सहायता के लिए आवेदन कर सकती हैं।

प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना 1 करोड़ रुपए तक की लागत के लिए 100 प्रतिशत और 1 करोड़ रुपए से अधिक की अतिरिक्त लागत का 50 प्रतिशत है, जो अधिकतम 5 करोड़ रुपए तक सीमित है।

बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता का पैमाना परियोजना लागत का 35 प्रतिशत है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

इसके अलावा, उच्च सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व वाले लेकिन अपेक्षाकृत कम बाजार क्षमता वाले क्षेत्रों में भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से, संशोधित योजना में प्रावधान है कि बाद के चरण की परियोजनाओं के लिए सहायता 50 प्रतिशत तक हो सकती है, जो अधिकतम 100 करोड़ रुपए तक सीमित है।

मेक इन इंडिया खतरे में 0% GST ने भारतीय नोटबुक उद्योग को किया बर्बाद

शिक्षा को सस्ता करने का फैसला बना अभिशाप, कच्चे माल पर 18% टैक्स और आसियान आयात पर शून्य ड्यूटी से लाखों रोजगार संकट में

मुंबई/इंदौर

एक तरफ भारत सरकार जीएसटी 2.0 सुधारों के तहत आर्थिक विकास का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ऑल इंडिया नोटबुक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने 0% जीएसटी और आसियान (ASEAN) मुक्त व्यापार समझौते के घातक संयोजन पर कड़ी चिंता जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि यह नीति भारतीय नोटबुक उद्योग के लिए विनाशकारी साबित हो रही है और प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया संकल्प के विपरीत है। कर प्रणाली का घातक असंतुलनएसोसिएशन ने सरकार को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि नोटबुक पर 0त्न जीएसटी और आसियान एफटीए के तहत इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया जैसे देशों से आयातित नोटबुक पर 0% कस्टम ड्यूटी के कारण यह उद्योग अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। ड्यूटी-मुक्त आयात 0% जीएसटी के कारण, इन आयातित उत्पादों पर आईजीएसटी (IGST) भी नहीं लग रहा है, जिससे ये पूरी तरह से ड्यूटी मुक्त होकर भारतीय उत्पादों की तुलना में अत्यधिक सस्ते हो जाते हैं। घरेलू निर्माताओं पर दोहरी मार भारतीय नोटबुक निर्माताओं को अपने कच्चे माल जैसे पेपरबोर्ड, गोंद, तार, पैकेजिंग सामग्री आदि पर 18त्न जीएसटी वहन करना पड़ता है, लेकिन उत्पाद पर 0% जीएसटी होने के कारण उन्हें इसका इनपुट टैक्स केडिट (ITC) नहीं मिलता। लागत में वृद्धि नोटबुक निर्माण में उपयोग होने वाला कोटेड पेपरबोर्ड जिस पर पहले 12% जीएसटी था, अब बढ़कर 18% हो गया है, जिससे घरेलू उत्पादन की लागत और बढ़ गई है। रोजगार और MSME पर सीधा हमला यह उद्योग मुख्यतः श्रम-प्रधान और लघु-स्तरीय (MSME) है, जो ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लाखों लोगों को रोजगार देता है। इंडोनेशिया जैसे दुनिया के सबसे बड़े पेपर उत्पादक देशों से सस्ते आयात की बाढ़ ने भारतीय उद्योगों के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, निवेश का नुकसान, और विदेशी मुद्रा पर प्रतिकूल असर पड़ना निश्चित है।

ओएसएम ने दुनिया का पहला बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया लॉन्च

चेयरमैन बोले-अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत

नई दिल्ली

भारतीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेक्टर में आज इतिहास रच दिया। ओमेगा सीकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने दुनिया का पहला ऑटोनॉमस यानी बिना ड्राइवर वाला इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया है। इसकी कीमत सिर्फ 4 लाख रुपए से शुरू है। ये व्हीकल अब कमर्शियल इस्तेमाल के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओएमएस ने इस थ्री-व्हीलर का नाम 'स्वयंगति' रखा है। इसे ओएसएम के इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म और एआई-आधारित ऑटोनॉमी सिस्टम पर तैयार किया गया है।

यह शॉर्ट-डिस्टेंस ट्रांसपोर्ट जैसे एयरपोर्ट, स्मार्ट कैंपस, इंडस्ट्रियल पार्क, गेटेड कम्युनिटी और भीड़भाड़ वाले शहरी इलाकों में बिना ड्राइवर के चल सकेगा। वाहन को पहले से मैपिंग करके सेट किया जाता है, ताकि वह तय किए गए रास्ते पर सुरक्षित और सुचारू रूप से चल सके। एक रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक ऑटोनॉमस वाहन बाजार 2030 तक 620 बिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा। ऐसे में 'स्वयंगति' भारत का पहला ऐसा प्रोडक्ट है, जो इस तेजी से बढ़ते ट्रेंड को मैच नहीं, बल्कि लीड करेगा। भारत जैसे देश में जहां ट्रैफिक और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सबसे बड़ी चुनौती है, वहां यह तकनीक सुरक्षित और किफायती समाधान लेकर आई है।

ओएसएम के फाउंडर और चेयरमैन ने कहा कि स्वयंगति का लॉन्च सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि भारत के ट्रांसपोर्टेशन भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम है।

अब ऑटोनॉमस व्हीकल कोई सपना नहीं, बल्कि आज की जरूरत है। यह साबित करता है कि एआई और लिडार जैसी तकनीकें भारत में देश के लिए और सस्ती कीमत पर बनाई जा सकती हैं। ओएसएम के चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर ने कहा कि हमारा मकसद ऑटोनॉमी को डेमोक्रेटाइज करना है। स्वयंगति ने दिखाया है कि ईवी इंडस्ट्री में इंटेलिजेंट सिस्टम्स को अब रोजमर्रा की मोबिलिटी में लाया जा सकता है। स्वयंगति ने हाल ही में 3 किमी की ऑटोनॉमस रूट टेस्टिंग पूरी की, जिसमें 7 स्टॉप, रीयल-टाइम ऑब्स्टेकल डिटेक्शन और पैसेंजर सेफ्टी शामिल थी।

ग्राहकों के लिए सुलभ है भारत की 5 सबसे सस्ती कारें

नई दिल्ली

पहले डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) सुविधा महंगी कारों तक ही सीमित थी, लेकिन अब आम लोगों के लिए भी यह सुलभ हो गई है। इसकी शुरुआत टाटा अल्ट्रोज डीसीटी करता है।

इसका एक्स-शोरूम प्राइस लगभग रुपए 9.42 लाख है। 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन और 6-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स के साथ यह कार 18 केएमपीएल तक का माइलेज देती है। मजबूत बिल्ड और स्मूद राइड के कारण यह सबसे सस्ती डीसीटी कार मानी जाती है।

किआ सोनेट डीसीटी में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स मिलता है। इसकी कीमत रुपए 11.60 लाख से रुपए 13.65 लाख तक है और यह 18.31 केएमपीएल का माइलेज देती है।

स्टाइलिश डिजाइन और बेहतर टॉर्क इसे एसयूवी प्रेमियों में लोकप्रिय बनाता है। टाटा नेक्सन डीसीटी का एक्स-शोरूम प्राइस रुपए 11.16 लाख है। 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ यह कार 17.18 केएमपीएल का माइलेज देती है।

नेक्सन 5-स्टार एनकैप सेफ्टी रेटिंग प्राप्त करने वाली पहली भारतीय एसयूवी है, जो दमदार रोड प्रेजेंस और फीचर्स के साथ आती है। हुंडई वेन्यू डीसीटी 1.0 लीटर टर्बो इंजन और 7-स्पीड डीसीटी से लैस है। इसकी कीमत रुपए 10.93 लाख से शुरू होती है और यह 18.31केएमपीएल तक का माइलेज देती है। प्रीमियम इंटीरियर और आरामदायक राइड इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा बनाते हैं। हुंडई आई20 एनलाइन डीसीटी में भी 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीसीटी गियरबॉक्स है। इसकी कीमत रुपए 10.23 लाख से रुपए 11.60 लाख तक है। कंपनी दावा करती है कि यह 20.2 केएमपीएल तक का माइलेज देती है।

स्पोर्टी लुक, डुअल एग्जॉस्ट और ऑल-ब्लैक इंटीरियर इसे युवाओं में खास बनाते हैं।

भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर रचा इतिहास

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में करारी शिकस्त देकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। ब्रिसबेन में खेले गए दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में भारत ने पारी और 58 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। वनडे सीरीज में कंगारुओं का सूपड़ा साफ करने के बाद टेस्ट सीरीज की शुरुआत भी भारतीय युवा खिलाड़ियों ने शानदार अंदाज में की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और महज 243 रन पर सिमट गई। दीपेश देववर्धन ने कहर बरपाते हुए 5 विकेट अपने नाम किए जबकि किशन कुमार ने 3 बल्लेबाजों को चलता किया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने मैच को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी अंदाज में शतक ठोकते हुए सभी का ध्यान खींच लिया। उन्होंने सिर्फ 86 गेंदों में 9 चौके और 8 छक्कों की मदद से सेंचुरी पूरी की और 131 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 131 रनों की लाजवाब पारी खेली। उनके साथ वेदांत त्रिवेदी ने भी जिम्मेदारी दिखाते हुए 140 रनों की पारी खेली। दोनों की बल्लेबाजी के दम पर भारत ने पहली पारी में 428 रन बनाकर विशाल स्कोर खड़ा कर लिया।

पहली पारी के आधार पर भारत को 185 रन की बढ़त मिली और दबाव में आई मेजबान टीम दूसरी पारी में पूरी तरह बिखर गई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज 127 रन ही जोड़ पाए और भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर अपना जलवा दिखाया। दीपेश ने दूसरी पारी में भी 16 रन देकर 3 विकेट झटके और मैच में कुल 8 विकेट अपने नाम किए। किशन कुमार ने भी 2 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। इस तरह भारतीय अंडर-19 टीम ने मेजबान को हर पहलू में मात देकर सीरीज में बढ़त बना ली और एक बार फिर यह साबित किया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली विश्व कप ट्रॉफी पर, इंग्लैंड शुरुआती लय हासिल करने की कोशिश में

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी तो उसकी कोशिश पिछले कुछ वर्षों की प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखने के साथ खिताब के सपने को साकार करने के लिए अच्छी शुरुआत करने की होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले दो वनडे विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है और हाल के दोनों टी20 विश्व कप में उपविजेता रही है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले कुछ महीनों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों को हराने के आत्मविश्वास से लबरेज होकर इस विश्व कप उतर रही हैं। टीम की बल्लेबाजी की कमान शानदार लय में चल रही लौरा वोलवार्ट और ताजमिन बिट्स संभालेंगी जबकि दिग्गज मारिजन कप्प गेंद और बल्ले दोनों से असरदार रहीं हैं। अनुभवी सूने लूस, क्लो ट्रायन और युवा खिलाड़ी नाडीन डे क्लार्क और नंदुमिसो शांगेसे टीम में मजबूत विकल्प पेश करते हैं।

टीम की वोलवार्ट और ब्रिट्स की सलामी जोड़ी पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता चिंता का विषय हो सकती है। भारत और कोलंबो की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के मुफीद होंगी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के लिए यह एक कमजोर कड़ी मानी जा रही है। नॉनकुलेको म्लाबा स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगी और उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। लूस, ट्रायन और शांगेसे में शानदार खिलाड़ी है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है।

इंग्लैंड की टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और उनका हालिया प्रदर्शन भी मजबूत नहीं रहा है। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 1-2 की हार ने उनकी कई कमजोरियों को उजागर किया। इस श्रृंखला में टीम की गेंदबाजी असरहीन दिखी और बल्लेबाजी पूरी तरह नेट सिवर-ब्रंट पर निर्भर रही।

टीम दबाव में बिखरती दिखीं ऐसे उसकी कोशिश टूर्नामेंट की शुरुआत से ही लय पकड़ने की होगी। हीदर नाइट और डैनी वायट-हॉज की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता आई है जबकि एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, और सोफिया डंकली जैसी बल्लेबाजों को भारतीय पिचें रास आती है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा हथियार है उसकी स्पिन गेंदबाजी है। विश्व नंबर एक सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, चार्ली डीन, और शानदार लय में चल रही लिंसी स्मिथ की चौकड़ी टीम को खतरनाक बनाती है। लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, और एम एम अरलॉट तेज गेंदबाजी में मोर्चा संभालेंगी।

टीमें

इंग्लैंड – नेट सिवर-ब्रंट (कप्तान), एम अरलॉट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्से स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

दक्षिण अफ्रीका – लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिजन कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

अपोलो टायर्स के साथ नई जर्सी में उतरी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में आज से एक नए दौर की शुरुआत हो गई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ का पहला मुकाबला अहमदाबाद में खेला जा रहा है, जहां टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आई। इस जर्सी पर अब अपोलो टायर्स का लोगो चमक रहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अपोलो टायर्स के साथ 579 करोड़ की डील की है, जो मार्च 2028 तक जारी रहेगी। इस डील के तहत अगले ढाई साल तक टीम इंडिया की जर्सी पर अपोलो टायर्स स्पॉन्सर रहेगा। यह बदलाव ड्रीम-11 के बीच में स्पॉन्सरशिप छोड़ने के बाद हुआ है, क्योंकि देश में फेंटेसी बेटिंग एप पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

वहीं मैच की बात करें तो शुरुआत में वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि टीम दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरी है। खास बात यह रही कि नीतीश कुमार रेड्डी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम दो स्पिनर और दो तेज गेंदबाजों के कॉम्बिनेशन के साथ खेल रही है।

यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट के लिहाज से ऐतिहासिक भी है। यह पहला टेस्ट है जो रविचंद्रन अश्विन, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद घरेलू मैदान पर खेला जा रहा है। पिछली बार भारत ने इन खिलाड़ियों के बिना नवंबर में घरेलू सीरीज़ में हिस्सा लिया था। अहमदाबाद का यह टेस्ट इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसे भारतीय क्रिकेट के नए युग की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है, जहां नई कप्तानी, नई जर्सी और नई सोच के साथ टीम आगे बढ़ रही है। अब क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि युवा खिलाड़ियों से सजी टीम इंडिया कैसी शुरुआत करती है और क्या वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के साथ इस नए युग का आगाज़ धमाकेदार ढंग से होता है।

शिखर धवन ने खोले विराट से दोस्ती के कई राज

– गुस्से से जुड़ी यादों से मजबूत बंधन तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया में भाईचारे और दोस्ती के कई किस्से लोकप्रिय हैं, लेकिन इन सब में विराट कोहली और शिखर धवन का बंधन हमेशा ही खास माना जाता है। मैदान पर मस्ती और हंसी-मजाक करने वाले दोनों खिलाड़ी कभी-कभी तीखे मोड़ भी झेल चुके हैं। हाल ही में शिखर धवन ने एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि उनके और कोहली के बीच कभी-कभी गुस्से की स्थिति बन गई थी, जो दर्शकों को जानकर हैरान कर सकती है। धवन ने बताया कि यह झगड़ा टीम इंडिया के वार्म-अप सेशन के दौरान फुटबॉल खेलते समय हुआ। उनका कंधा विराट के कंधे से टकरा गया और दोनों के बीच थोड़ी देर के लिए गुस्से का माहौल बन गया। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर स्वभाव से ही आक्रामक होते हैं और कभी-कभी छोटी-सी घटना भी भावनाओं को उबाल देती है। इस घटना के बाद टीम ने वार्म-अप में फुटबॉल खेलना ही बंद कर दिया, क्योंकि अक्सर खिलाड़ी भिड़ जाते थे और मैदान पर तनाव

बढ़ जाता था।

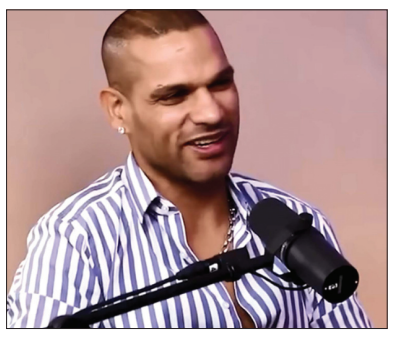

धवन ने एक और किस्सा साझा करते हुए कहा कि जब दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान विराट ने उन्हें रन आउट किया। उस समय उनकी आईपीएल नीलामी भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई थी, जिससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। धवन ने बताया कि उन्होंने खूब गालियां दी और अपना गुस्सा ड्रेसिंग रूम में निकाल दिया। हालांकि दोनों जानते थे कि यह जानबूझकर नहीं किया गया था और इसे खेल का हिस्सा माना गया।

धवन ने स्पष्ट किया कि इन झगड़ों का उनके दोस्ती पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि ऐसे झगड़े खेल का हिस्सा हैं और असल में दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं। मैदान पर हुए छोटे-मोटे विवाद ने उनकी दोस्ती को और मजबूत बनाया। यह साबित करता है कि क्रिकेट में रिश्तों की अहमियत और भावनाओं की गहराई कितनी बड़ी होती है।

शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके है, जबकि विराट कोहली अब केवल वनडे क्रिकेट खेलेंगे। दोनों की जोड़ी ने भारतीय क्रिकेट को कई यादगार लम्हे दिए हैं, चाहे वह आईसीसी टूर्नामेंट हों या आईपीएल के रोमांचक मुकाबले। मैदान पर गुस्से और झगड़े के बावजूद दोनों का बंधन मजबूत रहा और यह उनके फैंस के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। इस दोस्ती की कहानी दिखाती है कि क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावनाओं और आपसी समझ का भी खेल है।

'भारत को हराना है तो साजिश रचनी पड़ेगी', भारत-पाक मैच से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कसा तंज

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 के फाइनल के बाद एक और रोमांचक भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए मंच तैयार है। महिला विश्व कप 2025 शुरू हो चुका है और दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें एक बार फिर बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। 5 अक्टूबर को भारतीय महिला टीम पाकिस्तान महिला टीम से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है और रोमांच फिर से आसमान छू रहा है। मैच से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज रीमा मल्होत्रा के ग्रीन वीमेन पर कटाक्ष ने इस प्रतिद्वंद्विता को और भी रोमांचक बना दिया।

हाल ही में सीमा पार का तनाव क्रिकेट के मैदान पर भी छाया रहा क्योंकि पूरे क्रिकेट जगत ने एशिया कप 2025 के बड़े मंच पर भारत-पाकिस्तान के बीच नाटकीय मुकाबलों को देखा। एशिया कप 2025 के फाइनल में भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया, भारतीय महिला टीम कमान संभालने के लिए तैयार है। अब, दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें 5 अक्टूबर को महिला विश्व कप में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान महिलाओं के अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आंकड़े हैरान करने वाले रहे हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक भारतीय महिलाओं के खिलाफ अपनी पहली एकदिवसीय जीत दर्ज नहीं की है। जैसे-जैसे यह हाई-वोल्टेज मुकाबला नजदीक आ रहा है, उत्साह बढ़ता जा रहा है। मैच से पहले पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा ??ने स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत के दौरान पड़ोसियों पर कटाक्ष करके इस प्रतिद्वंद्विता में तड़का लगा दिया।

रीमा ने कहा, 'भारत ने 11 में से 11 मैच जीते हैं। 5 तारीख को आप बोलेंगे 12 में से 12 मैच भी भारत ने जीते हैं। मैंने एक कहानी बताई थी ना, 'क्यों पड़े हो चक्कर में,

कोई नहीं है टक्कर में?' पाकिस्तान टक्कर में नहीं हो सकता।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर पाकिस्तान टीम को देखेंगे 1 या 2 मैच विनर नजर आएंगे। भारतीय टीम को देखेंगे तो टॉप 5 विकेट गिराने के बाद भी, जिस तरह से मैच जीता है, मैच विनर्स की संख्या नजर आती है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान को अगर भारत को हराना है तो साजिश रचनी पड़ेगी। भारत होने नहीं देगी।

आरसीबी को खरीद सकती है पूनावाला की डियाजियो

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र 2025 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मालिकाना अधिकार बदल सकता है। अगले सत्र से पहले आरसीबी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी को डियाजियो पीएलसी खरीद सकती है। डियाजियो सीरीज इंस्टीटयूट के सीईओ अदार पूनावाला के समूह से जुड़ी है। आधिकारिक तौर पर अभी इस बारे में हालांकि किसी की भी ओर से कोई बयान नहीं आया है। अभी ये भी पक्का नहीं है कि डियाजियो पीएलसी आरसीबी में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है या नहीं। डियाजियो पीएलसी मूल रुप से यूनाइटेड स्पिरिट्स की कंपनी है। एक रिपोर्ट के अनुसार आरसीबी को खरीदने के लिए अन्य इच्छुक पक्षों के अलावा पूनावाला सबसे अधिक उत्साहित हैं। आरसीबी का मूल्यांकन लगभग 2 बिलियन डॉलर में करने की उम्मीद कर रही है। यहां तक ??कि व्यावसायिक मूल्य के मामले में भी, आरसीबी इस वर्ष शीर्ष स्थान पर थी। इससे पहले फरवरी में टोरेंट समूह ने अपनी होल्डिंग कंपनी टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स के जरिये निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स से गुजरात टाइटन्स (जीटी) में 67 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। इस सौदे का मूल्य लगभग 5,000 करोड़ रुपये था, जिसमें जीटी का मूल्यांकन लगभग 7,453 करोड़ रुपये था। हालांकि, आरसीबी कीमत साढ़े 17 हजार करोड़ के आसपास है। इस तरह यह आईपीएल का अब तक का सबसे बड़ा सौदा हो सकता है।

मुलर 35वां खिताब जीतकर जर्मनी के सबसे सफल खिलाड़ी बने

बर्लिन (एजेंसी)। वैंकूवर व्हाइटकैप्स के स्ट्राइकर थॉमस मुलर ने कहा कि अपने करियर का 35वां खिताब जीतने के बाद से उनके फोन की घंटी बजती ही रही है, जिससे वह जर्मन फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी बन गए हैं। दोस्तों, पूर्व साथियों और रिश्तेदारों ने 36 वर्षीय इस खिलाड़ी को बधाई देने के लिए फोन किए, जिन्होंने बायर्न म्यूनिख के अपने पूर्व साथी टोनी क्रूस (34 खिताब जीतने वाले) को पीछे छोड़ दिया। दोनों ने 2014 फीफा विश्व कप साथ मिलकर जीता था।

मुलर को सबसे हालिया उपलब्धि कैनेडियन चैंपियनशिप के साथ मिली, जब व्हाइटकैप्स ने फाइनल में वैंकूवर एफसी को 4-2 से हराकर कॉनकाकाफ चैंपियंस लीग में जगह पक्की की। उन्होंने अपने करियर का 300वां गोल भी किया, जिसमें उन्होंने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल पेनल्टी में बदला। इसके बाद, उन्होंने सुनहरे '300' से सजा एक

छोटा सा केक भेंट करके इस उपलब्धि का जश्न मनाया। 13 सितंबर को अपने जन्मदिन के कुछ ही हफ्ते बाद, मुलर ने मज़ाक में कहा कि अपने माता-पिता से मिलने के दौरान, 'मैंने उनसे कहा था, यह मैच का दिन है, जन्मदिन का नहीं।'

अपने रिकॉर्ड जीत के बावजूद मुलर ने कहा कि वह खुद को 'खिताब संग्रहकर्ता' नहीं मानते। 'तुलना करना बेमानी है। कुछ ने चैंपियंस लीग ज़्यादा बार जीती है, तो कुछ ने ज़्यादा राष्ट्रीय खिताब।' उन्होंने क्रूस के छह चैंपियंस लीग ख़िताबों और उनके दो ख़िताबों का ज़िक्र करते हुए कहा, 'मैं मैदान पर भावनाओं के लिए खेलता हूं, खिताबों के लिए नहीं। मुझे इस बात की कद्र है कि हमने साबित कर दिया कि हम कनाडा की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'आंकड़े ज़्यादा मायने नहीं रखते, मैं अपनी विरासत को बेहतर बनाने के लिए नहीं खेलता। मैं मैदान पर होने के आनंद के लिए खेलता हूँ। मुझे बस ख़िताबों का हम्सटर कह लीजिए।' मुलर 2025 की गर्मियों में बायर्न छोड़कर म्यूनिख के बाहर अपने पहले क्लब में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व साथियों के संदेशों ने उन्हें 'इसका आनंद लेने और गोल करने' के लिए प्रेरित किया। और मैंने ऐसा ही किया। व्हाइटकैप्स के कोच जेस्पर सोरेनसेन ने इस फॉरवर्ड की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए इसे 'किसी एक खिलाड़ी के लिए अद्वितीय' बताया। 2026 तक एमएलएस टीम के साथ अनुबंधित मुलर ने वादा किया कि उनका करियर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं हर मिनट का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। और शायद कुछ और पदक भी जीत सकूं।'

ईवा लिस को हराकर कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

बीजिंग। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनमें से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

दिलीप ट्रॉफी खेलने का लाभ एशिया कप में मिला : कुलदीप

मुम्बई। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि घरेलू क्रिकेट खेलने का लाभ उन्हें मिला था। कुलदीप के अनुसार एशिया कप से पहले उन्होंने दिलीप ट्रॉफी खेली थी जिससे उन्हें लय मिल गयी थी। इसी कारण वह एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन कर पाये। कुलदीप ने फाइनल में चार विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे पर एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने एशिया कप में सबसे अधिक कुल 17 विकेट लिए थे। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में रिंकू सिंह से बातचीत के दौरान कुलदीप ने कहा कि उनके लिए लय पाना बेहद जरूरी था और इसके लिए उन्होंने दिलीप ट्रॉफी में काफी गेंदबाजी की। कुलदीप ने कहा, जब आप लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेलते तो लय जरूरी हो जाती है। मेरे लिए यही अहम था और मैंने दिलीप ट्रॉफी का पहला मैच खेला जिसमें मैंने काफी गेंदबाजी की। इसी कारण मेरी गेंदबाजी पहले से ही अच्छी चल रही थी। कुलदीप ने बताया कि टीम में उनकी जिम्मेदारी बची के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाने के साथ ही विकेट लेना था। उन्हें खुशी है कि वह अपना काम कर पाये। कुलदीप ने कहा कि उनके पास कोई तय लक्ष्य नहीं है और उनका प्रयास रहता है कि जब भी अवसर मिले। अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

अश्विन आईएलटी20 नीलामी में अनसोल्ड, अब बीबीएल में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) से एक खबर क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाली आ रही हैं। इस लीग की नीलामी में भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को कोई खरीदार नहीं मिला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले अश्विन ने अपनी बेस प्राइस 1,20,000 अमेरिकी डॉलर रखी थी, लेकिन उन्हें नीलामी में कोई बोली नहीं लगी और वे अनसोल्ड रह गए। यह खबर जरुर भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाली रही, क्योंकि उन्हें आईएलटी20 के चौथे एडिशन के प्रमुख आकर्षणों में से एक माना जा रहा था। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 39 साल के अश्विन ने आखिरी समय में नीलामी से अपना नाम वापस ले लिया। यही मुख्य कारण था कि उनके लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। डूल ने कहा कि यदि अश्विन उपलब्ध होते, तो कई टीमें उनके लिए बोली लगातीं। उन्होंने अश्विन की आलोचना करते हुए कहा कि महान स्पिनर ने स्थिति को सही से नहीं समझा। डूल ने यूट्यूब पर कहा, 'अगर उन्होंने खुद को बाहर कर लिया, तो उन्होंने नीलामी की परिस्थितियों को समझने में गलती की। उनके लिए बोली लगती और टीवी व्यूअरशिप में भी खासकर भारत में बढ़ोतरी होती।' अश्विन ने अभी तक आईएलटी20 नीलामी में अपने अनसोल्ड रहने या नाम वापस लेने पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। अगस्त 2025 में उन्होंने आईपीएल से संन्यास लेते हुए कहा था कि अब वे वैश्विक ञ्20 लीगों में खेलना चाहते हैं। इस बीच, अश्विन ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले एडिशन के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम सिडनी थंडर के साथ साइन किया है। थंडर ने घोषणा की कि अश्विन जनवरी 2026 में टीम में शामिल होंगे। अश्विन ने इस बारे में कहा कि थंडर ने उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता दी और उन्होंने नेतृत्व टीम के साथ अपनी भूमिका पर पूरी तरह सहमति जताई। उन्होंने कहा, 'मुझे डेव वार्नर के खेल का तरीका पसंद है और जब आपका नेता आपकी मानसिकता को साझा करता है, तो प्रदर्शन बेहतर होता है। मैं थंडर नेशन के लिए प्रदर्शन करने का इंतजार नहीं कर सकता।'

जोमैटो डिलीवरी बॉय से विश्व चैंपियन तक: संदीप सरगर ने भारत को दिलाया स्वर्ण, रिंकू-सुंदर ने दी प्रेरणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार का दिन भारत के लिए एक और ऐतिहासिक रहा। महाराष्ट्र के संदीप संजय सरगर ने भाला फेंक स्न44 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा लहराया और देश को गर्व महसूस कराया।

रिंकू और सुंदर से मिली प्रेरणा

सोमवार को ही रिंकू और सुंदर सिंह गुर्जर ने स्न46 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीते थे। सरगर ने कहा कि उस ऐतिहासिक पल को देखकर उन्हें भी आत्मविश्वास और प्रेरणा मिली। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'मैं कल यहां माहौल को समझने आया था। भीड़, प्रोत्साहन और जोश–सबने मुझे ताकत दी। और आज उसी ने मुझे जीत दिलाई।'

बारिश, ठंड और दबाव... फिर भी स्वर्ण

दिल्ली की दोपहर में अचानक हुई भारी बारिश और गिरी हुई तापमान ने एथलीटों को चुनौती दी। लेकिन सरगर ने इसे पार करते हुए अपने पांचवें प्रयास में 62.82 मीटर का शानदार थ्रो फेंका। हालांकि वे पहले ही 62.68 मीटर के थ्रो से बढ़त बना चुके थे, लेकिन उनका बेस्ट थ्रो दर्शकों के लिए जश्न का कारण बन गया। राजस्थान के संदीप चौधरी ने भी कड़ी टक्कर दी और 62.67 मीटर तक पहुँच गए, लेकिन सरगर ने उन्हें पछाड़ते हुए स्वर्ण पर कब्जा किया।

'गर्म मौसम में और बेहतर करता'

SAI सोनीपत में प्रशिक्षण लेने वाले और अह्वक्क-कोर एथलीट सरगर ने माना कि मौसम ने उनके प्रदर्शन को थोड़ा प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'बारिश और ठंडे मौसम ने मुझे मुश्किल दी। गर्म मौसम में मैं और भी अच्छा कर सकता था। फिर भी, अपने देश के लिए पदक जीतना शानदार एहसास है।'

डिलीवरी बॉय से चैंपियन तक का सफर

आज जिस एथलीट को पूरा भारत सलाम कर रहा है, कभी वही सरगर पुणे में ज़ोमैटो डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। परिवार या दोस्त स्टेडियम में मौजूद नहीं थे, फिर भी उन्होंने अकेले दम पर स्वर्ण झटक लिया। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'स्टैंड में मेरा कोई नहीं था, लेकिन मैंने खुद को और देश को प्रेरणा मानकर खेला। पदक जीतकर सपने पूरे हुए हैं।'

भारत का तीसरा स्वर्ण, सफर जारी

सरगर का यह पदक भारत का इस

चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक रहा। इसके तुरंत बाद सुमित ने F64 वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के पैरालिंपिक दल के लिए यह लगातार सफलता साबित कर रही है कि मेहनत और जुनून के आगे कोई चुनौती बड़ी नहीं होती।

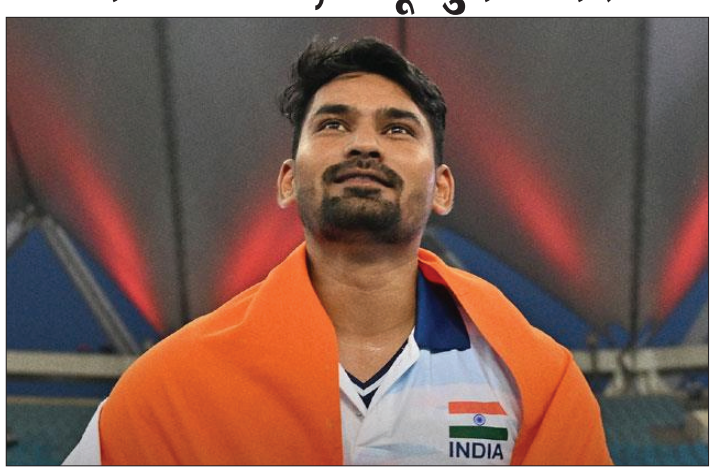

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सिनेमा के बारे में मुझे उन्होंने ही सबकुछ सिखाया, संजय लीला भंसाली की तारीफ में बोले रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर ने साल 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। अब वे भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए रणबीर कपूर करीब 18 साल बाद संजय लीला भंसाली के साथ काम कर रहे हैं। लाइव सैशन में की रणबीर ने फैंस से बात न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक रणबीर कपूर ने संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए कहा कि अभिनय के बारे में वे जो कुछ भी जानते हैं, वह भंसाली ने ही उन्हें सिखाया है। दरअसल, रणबीर कपूर ने 28 सितंबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ लाइव सैशन आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने अपने को-एक्टर्स और निर्देशक भंसाली के बारे में बात की।

अगले साल रिलीज होगी लव एंड वॉर

फिल्म लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज होगी। इसमें रणबीर के अलावा आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव एंड वॉर के निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली ने संभाली है। रणबीर ने कहा, इस फिल्म में मेरे दो पसंदीदा हैं। एक, विक्की कौशल। इसके अलावा मेरी सुपर टैलेंटिड वाइफ आलिया भट्ट।

भंसाली को बताया उस्ताद

रणबीर ने आगे कहा, इस फिल्म का निर्देशन वह शख्स कर रहे हैं, जिन्होंने मुझे सिनेमा के बारे में सबकुछ सिखाया। अभिनय के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं, वह उन्हीं की देन है और उस समय वे एक उस्ताद थे। मैं उनके साथ 18 साल बाद काम कर रहा हूं। आज वे और भी बड़े उस्ताद हैं। इसलिए मैं इस सहयोग से बहुत खुश हूं। बता दें कि इस फिल्म में रणबीर पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

सनी संसारी की तुलसी कुमारी में सान्या मल्होत्रा का बोल्ड नया अवतार!

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी आगामी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अपने नए बोल्ड अवतार से सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली, सान्या ने एक निडर और फ्रेश लुक लेकर आ रही है जो फिल्म के जीवंत और बेबाक मूड को पूरी तरह कॉम्प्लिमेंट करता है। यह नया अवतार पहले से ही ट्रेंड कर रहा है। फैंस उनके आत्मविश्वास, ग्लैमर और स्वैग की खूब तारीफ कर रहे हैं। चाहे वो उनका स्टाइलिश बीचवियर हो या कैमरे के सामने उनका बेबाक अंदाज़ — सान्या का यह नया लुक वाकई में विज़ुअल ट्रीट है। जिसने फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को इस सीज़न की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बना दिया है। 'मिसेज़' में अपने गहराई से भरे अभिनय से दिल जीतने के बाद, सान्या इस समय अपने करियर के सबसे यादगार साल का आनंद ले रही हैं। उनकी अनोखी और सामाजिक व्यंग्य पर बनी फिल्म 'कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री' को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला है, जो यह साबित करता है कि सान्या न सिर्फ अलग और दमदार सिनेमा की पैरोकार हैं, बल्कि लगातार अपनी कला से दर्शकों को चौंका रही हैं। इस पोस्ट में सान्या एक शानदार नीली बिकिनी पहने नज़र आ रही है, और अभिनेत्री के प्रशंसक और फ़ॉलोअर्स उनके आत्मविश्वास से भरे बदलाव की चर्चा कर रहे हैं। वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए, सान्या का नया सिज़लिंग लुक उनके अब तक के पिछले स्टाइल से बिल्कुल अलग बदलाव दिखाता है, जो उनके व्यक्तित्व का एक ग्लैमरस और बिंदास रूप दर्शाता है।

पब्लिसिटी में दम लगा रहे वरुण और जाह्नवी

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को हिट कराने के लिए वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जमकर मेहनत कर रहे हैं। अब रोहित सराफ ने वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और सान्या मल्होत्रा को टैग कर वीडियो पोस्ट की है, जिसमें पांचों स्टार्स लग्जरी कार की सवारी कर रहे हैं और कार में भी मस्ती करने का मौका नहीं गंवा रहे। वीडियो में सभी लोग अपने ही फिल्म के गाने बिजुरिया पर गजब के एक्सप्रेशन के साथ डांस कर रहे हैं लेकिन सारी लाइमलाइट मनीष पॉल लूट लेते हैं, क्योंकि वीडियो के आखिर में भी एक्टर कॉमेडी ही कर रहे हैं।

बीते रविवार से ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है

फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म के लिए फिल्मी गुरुवार मुश्किल रहेगा, क्योंकि इसी तारीख को ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है और कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म लगभग 125 करोड़ के बजट के साथ बनी है, जबकि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का बजट लगभग 60 करोड़ है। अब देखना होगा कि पहले दिन कौन सी फिल्म दर्शकों का दिल जीतेगी और बड़ी कमाई करेगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण धवन और जान्हवी कपूर की ये साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को बवाल में देखा गया था। फिल्म ने औसत कमाई की थी लेकिन ओटीटी पर फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिला था।

फिल्म भागवत में जितेंद्र संग अरशद वारसी लगाएंगे तड़का

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी अब एक बार फिर से नए अवतार में पर्दे पर दिखाई देंगे। पहले वह जॉली एलएलबी 2 में वकील और फिर बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन गफूर के किरदार में दिखाई दिए। और अब वह पुलिस के रोल में नजर आने वाले हैं। वह पंचायत के सचिव जी यानी जितेंद्र कुमार के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। दोनों एकसाथ पहली बार स्क्रीन पर दिखेंगे। उनकी मूवी भागवतका पहला पोस्टर शनिवार, 27 सितंबर को जारी किया गया। इस क्राइम-थ्रिलर मूवी का पोस्टर शेयर करते हुए जी5 ने सोशल मीडिया पर लिखा, और हमें लगा था कि 2025 के सारे ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट आ गया है, भागवत आपके होश उड़ा देने आ रही है।

सच्ची घटना से प्रेरित है फिल्म भागवत

फिल्म भागवत सस्पेंस और जबरदस्त ड्रामा से भरपूर होगी। इसमें इंस्पेक्टर विश्वास भागवत (अरशद वारसी) की कहानी है, जो एक गुमशुदा महिला की तलाश के केस की जांच करता है। लेकिन यह जांच जल्द ही धोखे, रहस्यों और संभावित तस्करी के एक अंधेरे और पेचीदा जाल में उलझ जाती है। इस सीरीज में जितेंद्र कुमार एक प्रोफेसर के रोल में दिखाई देंगे। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी एक सच्ची घटना से प्रेरित है। जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने इसके बारे में बात करते हुए कहा, भागवत एक रोमांचक थ्रिलर है, जो भावनात्मक गहराई और सस्पेंस का शानदार मिश्रण पेश करता है। अरशद वारसी ने अपने किरदार को बहुत बारीकी और गहराई से निभाया है। वहीं, जितेंद्र कुमार एक आकर्षक और अनूठे अंदाज में दर्शकों को चकित करते हैं। सबके साथ आने से यह सिनेमाई भव्यता, साहसिक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का संगम बन गया है। अपनी अनोखी शैली और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ, भागवत इस साल की सबसे मनोरंजक और प्रभावी फिल्मों में से एक है।

ओटीटी पर आएगी फिल्म भागवत

इस फिल्म को अक्षय शेरे डायरेक्ट कर रहे हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स ने मिलकर किया है। यह फिल्म जल्द ही ज़ी5 पर रिलीज की जाएगी। इसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है।

नवरात्रि खुद को खोजने का पर्व, देवी हमारी हर सांस में हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नवरात्रि को खुद को खोजने का पर्व बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर माता की चौकी का एक वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने बताया है कि नवरात्रि का पर्व उनके लिए क्या मायने रखता है।
तमन्ना भाटिया ने अपनी इस पोस्ट में लिखा, नवरात्रि केवल भक्ति की नौ रातें नहीं हैं, बल्कि यह खुद में लौटने, खुद को खोजने के नौ मौके भी हैं। हर शाम हमें याद दिलाती है कि देवी केवल मंदिरों या त्योहारों में ही नहीं, बल्कि हमारी हर सांस में हैं। उन्होंने आगे लिखा, दुर्गा हमें उन लड़ाइयों का सामना करने की हिम्मत देती हैं, जिनसे हम कतराते रहे हैं। लक्ष्मी हमें प्रचुरता को अपनाना सिखाती हैं-न सिर्फ धन की, बल्कि प्रेम, करुणा और अवसरों की भी। सरस्वती हमें सत्य बोलने और अनिश्चितता में बुद्धिमानी से निर्णय लेने की स्पष्टता देती हैं। काली उन भय, आदतों और पुरानी कथाओं को भस्म कर देती हैं, जो हमें सीमित रखती हैं। 'स्त्री-2' अभिनेत्री ने आगे लिखा, जब हम मां के प्रति समर्पित हो जाते हैं, तो हम जीवन से चमत्कार मिलने का इंतजार करना बंद कर देते हैं और उन्हें अपने कर्मों में ढूंढ़ने लगते हैं। बात यह नहीं है कि हम कितने अनुष्ठान करते हैं, बात यह है कि उन नौ रातों को चुपचाप हमारे खुद को देखने के तरीके को फिर से लिखने दें। इस नवरात्रि हर दीया न केवल उस देवी के लिए जलाएं जिसकी आप पूजा करते हैं, बल्कि उस देवी के लिए भी जो आप पहले से ही हैं। समर्पण करते रहें।
वर्क फ्रंट की बात करें तो तमन्ना भाटिया हाल ही में डायना पेंटी के साथ वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर में नजर आई थीं। इस सीरीज में जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे भी दिखाई दिए।

भागवत के प्रोड्यूसर हैं हरमन बावेजा

निर्माता हरमन बावेजा ने कहा, बावेजा स्टूडियोज में हमारा प्रयास हमेशा से ऐसी कहानियों पर आधारित रहा है जो साहसिक, प्रासंगिक और भावनात्मक रूप से ध्यान खींचती हों। भागवत इस कमिटमेंट का एक आदर्श उदाहरण है। यह सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है- यह मानव स्वभाव के अंधकारमय हिस्से की एक यात्रा है, जहां प्रेम, छल और न्याय का टकराव होता है।

अक्षय कुमार का आमिर खान पर तंज!

ओटीटी के आने से फिल्मों की कमाई पर असर बड़ा है, पिछले काफी वक्त से यह एक बहस का मुद्दा बना हुआ है। अभिनेता आमिर खान का ऐसा मानना है कि थिएटर रिलीज के छह महीने बाद फिल्मों को ओटीटी पर आना चाहिए। उनका मानना है कि आजकल जो 2 महीने या आठ हफ्ते के बाद ही फिल्मों के ओटीटी पर आने से कमाई पर असर पड़ता है। अब अभिनेता अक्षय कुमार ने आमिर के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर की बात से असहमति जताई है। साथ ही अक्षय ने आमिर के बयान पर तंज भी कसा है।

तीन महीने का अंतराल ठीक है

एबीपी लाइव के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने इस मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से तीन महीने का फासला ठीक है। छह महीने बहुत लंबा समय है क्योंकि आखिरकार, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म आपको डिजिटल अधिकारों के लिए भुगतान कर रहा है। उन्हें भी इस सौदे से लाभ मिलना चाहिए। इस पूरी व्यवस्था को महामारी से पहले की स्थिति में वापस जाना चाहिए, जब सिनेमाघर और ओटीटी प्लेटफॉर्म दोनों एक साथ मौजूद थे और अच्छे से साथ-साथ चलते थे।

डिजिटल राइट्स के समय निर्माता ओटीटी प्लेफॉर्म से पैसा ले लेते हैं

इस दौरान अक्षय ने दावा किया कि निर्माताओं, जिनमें वो भी शामिल हैं, को ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। साथ ही अपनी फिल्मों के कंटेंट को लेकर भी सचेत रहना चाहिए। इसी दौरान आमिर के बयान पर इशारों-इशारों में ताना मारते हुए अक्षय ने कहा, 'जब डिजिटल राइट्स की बिक्री की बात आती है, तो निर्माता खुशी-खुशी ओटीटी प्लेटफॉर्म से पैसा ले लेते हैं। लेकिन जब हम चाहते हैं, तो हम आसानी से कह देते हैं कि हमारी फिल्में ओटीटी की वजह से नहीं चल रही हैं। हम यह नहीं सोचते कि शायद हम सही फिल्में नहीं बना रहे हैं।' हालांकि, अक्षय ने यहां आमिर या किसी का भी नाम नहीं लिया। लेकिन यह बयान आमिर के बयान पर प्रतिक्रिया जरूर मालूम पड़ता है।

मुझे फिल्में बनाने के अलावा कुछ नहीं आता

अक्षय ने यह भी स्वीकार किया कि वह अपनी फिल्मों के लिए प्रतिभाओं की तलाश में भी काफी ओटीटी कंटेंट देखते हैं। उनका मानना है कि ओटीटी के आने फिल्म इंडस्ट्री में सभी को फायदा हुआ है। अक्षय ने कहा कि मेरे पास फिल्में बनाने के अलावा कोई और काम नहीं है। चूंकि मैं पढ़ा-लिखा नहीं हूं, इसलिए मैं सिर्फ फिल्में ही बनाता हूं। इसलिए मुझे ओटीटी देखने के लिए काफी समय मिलता है।

ओटीटी पर जल्द फिल्मों के लाने के खिलाफ हैं आमिर

आमिर खान अक्सर ओटीटी को फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर न चलने की एक वजह मानते हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने कहा था कि जब लोगों को फिल्मों के रिलीज के कुछ ही वक्त बाद घर बैठे फिल्म देखने को मिल जाएगी, तो वो क्यों सिनेमाघरों में जाएंगे।
हालांकि, आमिर का ये भी कहना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ नहीं हैं। हाल ही में आमिर ने अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को भी थिएटर्स के बाद किसी ओटीटी पर नहीं रिलीज किया। बल्कि उन्होंने यूट्यूब पर फिल्म को पे-पर-व्यू मॉडल के तहत लाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

व्यक्तिगत सद्गुणों और सेवा भावना को समाज में फैलाने का कार्य कर रहा संघ

भागवत बोले–सौ सालों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को चलाते आ रहे

नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि लंबे समय तक चले विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी देशी प्रणालियां नष्ट हो गई थीं, जिन्हें अब समाज और शिक्षा प्रणाली के अंदर दोबारा स्थापित करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से आत्मस्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना होगा जो इस कार्य को कर सकें। इसके लिए सिर्फ मानसिक सहमति नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म में भी बदलाव लाने की जरुरत है। यह बदलाव किसी भी सिस्टम के बिना संभव नहीं है और संघ की शाखा यही एक मजबूत व्यवस्था है जो ये कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शाखा केवल शारीरिक अभ्यास की जगह नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और समाज में सकारात्मक आदतों के निर्माण की प्रयोगशाला है। भागवत ने कहा कि सौ सालों से संघ के स्वयंसेवक इस व्यवस्था को चलाते आ रहे हैं और आगे भी चलाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति के लिए सिर्फ व्यवस्थाएं जिम्मेदार नहीं होतीं, बल्कि परिवर्तन की असली शक्ति समाज की इच्छाशक्ति में होती है। इसलिए व्यक्तिगत सद्गुणों, सामूहिकता और सेवा भावना को समाज में फैलाने का कार्य संघ कर रहा है। भागवत ने कहा कि समाज का संगठित, शील संपन्न बल इस देश की एकता, अखंडता, विकास और सुरक्षा की गारंटी है। हिंदू समाज ही इस देश के लिए उत्तरदायी समाज है और यह सर्व-समावेशी समाज है। उन्होंने भारत की वसुधैव कुटुंबकम की परंपरा को याद दिलाते हुए कहा कि यह उदार और समावेशी विचारधारा ही भारत की ताकत है और इस विचार को दुनिया तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। संघ, संगठित कार्यशक्ति के द्वारा भारत को वैभव संपन्न और धर्म के मार्ग पर चलने वाला देश बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। विजयादशमी के पावन अवसर पर उन्होंने सीमोल्लंघन की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज की देश-काल-परिस्थिति को देखते हुए हमें अपने पूर्वजों के बताए कर्तव्य को निभाते हुए एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए आगे बढ़ना होगा। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर भागवत ने कहा कि इसका उद्देश्य व्यक्ति निर्माण को देशव्यापी बनाना और पंच परिवर्तन कार्यक्रम को समाज में लागू करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने पहलगाम हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर उन्हें मारा। भारत सरकार ने इस हमले का कड़ा जवाब देने के लिए मई माह में योजना बनाई और कार्रवाई की। इस पूरे घटनाक्रम में देश के नेतृत्व की दृढ़ता, हमारी सेना के पराक्रम और युद्ध कौशल के साथ-साथ समाज की एकता का अद्भुत दर्शन हुआ।

उन्होंने इस दृढ़ता और एकता को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। मोहन भागवत ने कहा कि पर्यावरण पर चिंता जताते हुए कहा कि जो भौतिकवादी और उपभोक्तावादी विकास मॉडल विश्वभर में अपनाए जा रहे हैं, उनके दुष्परिणाम प्रकृति पर साफ दिख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अनियमित और अप्रत्याशित वर्षा, भूस्खलन और ग्लेशियरों के सूखने जैसी घटनाएं इसकी साक्षी हैं। हमें इस दिशा में सोच-समझ कर कदम उठाने होंगे। भागवत ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह महाकुंभ न केवल श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के कारण ऐतिहासिक बना। उन्होंने कहा कि महाकुंभ ने समस्त भारत में श्रद्धा और एकता की प्रचंड लहर पैदा की और इसे एक वैश्विक उदाहरण बना दिया।

संघ प्रमुख ने कहा कि श्रीलंका, बांग्लादेश और हाल ही में नेपाल में जनाक्रोश के हिंसक विस्फोट के कारण हुआ सत्ता परिवर्तन हमारे लिए चिंता का विषय है।

भारत में ऐसी अशांति फैलाने की चाह रखने वाली ताकतें हमारे देश के अंदर और बाहर दोनों जगह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी क्रांति से परिवर्तन नहीं आने वाला। इसने अपने उद्देश्य को हासिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है, परंतु स्वयं आत्मनिर्भर होकर विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखकर हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए अपनी स्वेच्छा से जिएं, ऐसा हमको बनना पड़ेगा। भागवत ने

कहा कि प्रजातांत्रिक मार्गों से ही परिवर्तन आता है। संघ प्रमुख ने कहा कि मानव का भौतिक विकास होता है, नैतिक विकास नहीं होता। सबका विकास होना जरूरी है। हिंदू कभी राज्य पर आधारित नहीं रहा। हिंदू राष्ट्र है। हम हिंदू राष्ट्र हैं। इसे जाति-पंथ और समुदाय के आधार पर नहीं बांटा जा सकता। उन्होंने कहा कि हिन्दुओं का संगठित होना सुरक्षा की गारंटी है। भागवत ने कहा कि विविधताओं के बावजूद भारतीय संस्कृति हिन्दू राष्ट्रीयता है। किसी को हिंदू शब्द से आपत्ति है, तो वो भारतीय कहे। सनातन काल से अब तक ये हिंदू राष्ट्र है। सब प्रकार के उतार-चढ़ाव देखे।

पद्म विभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन, पीएम मोदी ने जताया शोक

लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावक भी रहे

वाराणसी

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के महान ध्वजवाहक और बनारस घराने की परंपरा के संरक्षक, पद्म विभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का गुरुवार (2 अक्टूबर) तड़के 4 बजे निधन हो गया। वे 89 वर्ष के थे और लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना जताते हुए शोक व्यक्त किया है।

लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे पंडित छन्नूलाल मिश्र ने मिर्जापुर में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। उनकी बेटी नम्रता मिश्रा ने इसकी पुष्टि करते हुए मीडिया को बताया कि पंडित मिश्र का अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा।

जानकारी अनुसार पंडित मिश्र को हृदय संबंधी बीमारी के कारण बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से संबद्ध सर सुंदरलाल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। वहां उनका हीमोग्लोबिन की कमी और बिस्तर में ज्यादा रहने के कारण बेडसोल घावों का इलाज भी किया जा रहा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित छन्नूलाल मिश्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, कि मिश्र जी भारतीय कला और संस्कृति के आजीवन उपासक थे। उन्होंने न सिर्फ शास्त्रीय संगीत को आमजन तक पहुंचाया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय परंपराओं को भी गौरवान्वित किया। मुझे उनके आशीर्वाद का सौभाग्य मिला और 2014 में वाराणसी सीट से मेरे प्रस्तावक भी रहे। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। ॐ शांति।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गहरी संवेदना जताते हुए कहा, भारतीय शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ पंडित छन्नूलाल मिश्र का निधन अपूरणीय क्षति है। आपने अपना संपूर्ण जीवन शास्त्रीय संगीत के उत्थान को समर्पित कर दिया। आपका गायन भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति और उनके अनुयायियों को यह दुख सहन करने की शक्ति मिले। ॐ शांति।

पंडित छन्नूलाल मिश्र बनारस घराने के शीर्ष प्रतिनिधि थे। ख्याल, ठुमरी और भजनों की उनकी प्रस्तुतियां श्रोताओं के हृदय को छू लेती थीं। वे भारतीय शास्त्रीय संगीत की उस परंपरा के संवाहक

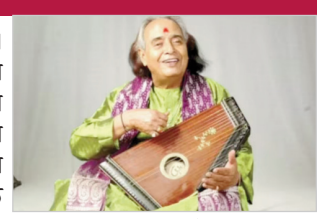

थे, जिसने देश और दुनिया में सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत बनाए रखा। उनके सुरों ने न केवल काशी को, बल्कि भारत की सांगीतिक विरासत को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई।

संगीत प्रेमियों का मानना है कि पंडित मिश्र का जाना हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के आकाश से एक सितारे के टूटने जैसा है।

अधिकांश दो हजार के नोट आरबीआई के पास पहुंचे, अब 5,884 करोड़ ही बचे

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक के पास मई 2023 में 3.56 लाख करोड़ दो हजार के नोट थे। जो अब 30 सितंबर, 2025 तक केवल 5884 करोड़ ही बचे हैं। हालांकि, इन नोटों को सक्रिय सर्कुलेशन से वापस ले लिया गया है, फिर भी 2000 के बैंकनोट कानूनी निविदा का अपना दर्जा बनाए हुए हैं। इसका मतलब यह है कि जहां इन्हें रोजमर्रा के लेन-देन से हटाया जा रहा है, वहीं ये कर्ज चुकाने और अन्य वित्तीय दायित्वों को निपटाने के लिए अभी भी मान्य हैं। आरबीआई ने जनता के लिए इन नोटों को जमा कराने या बदलने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए हैं। देश भर की सभी बैंक शाखाओं में 2000 के नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 07 अक्टूबर, 2023 तक उपलब्ध थी। 19 मई, 2023 से ही रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालय इन नोटों के बदलने की सुविधा दे रहे हैं। 9 अक्टूबर, 2023 से ये कार्यालय व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा कराने के लिए भी 2000 के नोट स्वीकार कर रहे हैं। जनता देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के जरिए 2000 के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय को अपने बैंक खाते में जमा कराने के लिए भेज सकती है। बता दें कि 2000 के नोट को नवंबर 2016 में ₹500 और 1000 के नोटों के मोनेटाइजेशन के बाद करेंसी की तुरंत जरूरतों को पूरा करने के लिए पेश किया गया था। आरबीआई के अनुसार, एक बार यह लक्ष्य पूरा हो जाने और अन्य मूल्यवर्ग के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो जाने के बाद, 2000 के नोटों की छपाई वर्ष 2018-19 में ही बंद कर दिया गया था।

संघ केवल सवर्णों की सत्ता बचाने के लिए काम करता है: कांग्रेस नेता उदित राज

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस को 100 साल पूरे हो गए है। 1925 से अस्तित्व में आए संघ का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते रोज संघ के सम्मान में एक सिक्का जारी किया है। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने आलोचना करते हुए कहा है कि संघ सम्मान का हकदार नहीं है। संघ केवल और केवल सवर्णों की सत्ता बचाने के लिए काम करता है। यही वजह है कि आज तक कोई दलित या महिला की संघ की कमान नहीं सौंपी गई है।

उदित राज ने कहा कि इस देश के कल्याण में संघ की कोई भूमिका नहीं रही है। इस संगठन ने सिर्फ सवर्ण सत्ता को बचाने की दिशा में काम किया है। यह संगठन वैसे तो समस्त विश्व में हिंदू समुदाय का हितैषी होने का दावा करता है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यह पूरे हिंदू समुदाय का हित नहीं चाहता है।यह संगठन सिर्फ उच्च जाति लोगों के हितों को ही प्राथमिकता देता है। आप लोगों ने गौर किया होगा कि आज तक इस संगठन का प्रमुख कोई दलित या महिला नहीं रही है। आखिर क्यों हमेशा से ही इस संगठन की कमान एक ब्राह्मण समुदाय से आने वाले व्यक्ति के हाथों में ही रही? मैं समझता हूं कि ये बिल्कुल ठीक नहीं है। मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि आरएसएस को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

काम करता है: कांग्रेस नेता उदित राज

कांग्रेस नेता ने गुरुवार को गांधी जयंती पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता है कि इसका उत्सव पर्व मनाया जाना चाहिए, क्योंकि यह संगठन सम्मान का हकदार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि आरएसएस की विचारधारा की वजह से ही महात्मा गांधी की हत्या की गई थी। उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष संपन्न होने पर जो सिक्का जारी किया गया, वह मैं समझता हूं कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। आज गांधी जी हमारे बीच नहीं हैं, तो उनका अपमान किया जा रहा है। उन्होंने विजयादशमी की बधाई देते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि आज की तारीख में हमारे समाज में इस संगठन को महिमामंडित किया जा रहा है। निश्चित तौर पर इससे महात्मा गांधी की राह पर चलने वाले लोगों का मन दुखी हो रहा होगा।

ओडीशा के तट से टकराकर आज कमजोर पड़ सकता है तूफान, अलर्ट जारी

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में आज और कल हो सकती है तेज बारिश

नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में बना मजबूत निम्न दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है और तेजी से उत्तर पश्चिम की तरफ तट की ओर बढ़ रहा है। गुरुवार देर रात तूफान ओडिशा और आंध्र प्रदेश के तटों से टकराकर कमजोर पड़ जाने की उम्मीद जाहिर की गई है। इस दौरान इसकी गति 75 किमी प्रति घंटे की हो सकती है। इससे कहीं कोई नुकसान न हो इसकी राज्य सरकारों ने तैयारी पहले से ही कर ली है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने ये भी कहा है कि ये तूफान 3 अक्टूबर को कमजोर पड़ जाएगा और हवा की स्पीड घटकर 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे रह जाएगी लेकिन तूफान का असर कुछ दिनों तक जारी रहेगा, मतलब अगले 5 दिनों तक आधा दर्जन से ज्यादा राज्यों में तेज हवा के झोंकों संग बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक, ओडिशा,पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अत्यधिक तेज़ गरज के साथ बारिश हो सकती है और हवाओं का जोर रह सकता है। इस बीच, ओडिशा में गुरुवार की सुबह भी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के मुताबिक ओडिशा में भारी बारिश हुई है। राज्य सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए चिन्हित संवेदनशील जिलों में कर्मियों और मशीनरी को तैनात किया है। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के सभी हिस्सों में मुख्य रूप से तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में बुधवार से ही भारी बारिश हो रही है। आईएमडी ने आज राज्य के सभी 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। आईएमडी ने बताया कि इस तूफान के दो अक्टूबर की रात तक ओडिशा को पार करके आंध्र प्रदेश से लगे हुए गोपालपुर और पारादीप तटों तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, गहरा दबाव एक ऐसी स्थिति है जो एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के बाद और चक्रवाती तूफान से पहले आती है, जिसके बाद आमतौर पर भारी वर्षा और तेज हवाएं चलती हैं। आईएमडी ने मछुआरों को तीन अक्टूबर तक ओडिशा तट के पास समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है।

कहां और कब बारिश होगी

आईएमडी ने अपने ताजा पूर्वानुमान में कहा है कि 2 अक्टूबर को देर रात तक तटीय आंध्र प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा ओडिशा के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। 03 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की भी संभावना है। बिहार और झारखंड में 02 अक्टूबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और 3 और 4 अक्टूबर को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और 03 से 05 अक्टूबर के बीच कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्यप्रदेश में भी 03 और 04 अक्टूबर को कई स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

सहारा इंडिया ग्रुप की 88 से ज्यादा संपत्तियां बेचने की तैयारी में, रिफंड को लेकर निवेशकों में उम्मीद जागी

नई दिल्ली

सहारा ग्रुप एक बार फिर चर्चा में है, रिफंड को लेकर निवेशकों में एक उम्मीद जगी है। सहारा इंडिया में सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से निवेशक हैं। कुछ लोगों ने अपनी सारी गाढ़ी कमाई सहारा इंडिया में जमा कर दी थी, लेकिन अब सहारा ग्रुप की संपत्तियां बेचकर निवेशकों के पैसे लौटाने की बात कही जा रही है। दरअसल सहारा लिमिटेड कर्मिशयल कॉपोरेशन लिमिटे ने सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी लगाई है, जिसमें वह अपनी कुछ प्रमुख अचल संपत्तियों को अडाणी प्रॉपर्टी प्रा लि को एकमुश्त बेचने की अनुमति मांगी है। रिपोर्ट के मुताबिक सहारा इंडिया ग्रुप की 88 से ज्यादा संपत्तियां इस सौदे के तहत बेचने की तैयारी चल रही है यानी इन संपत्तियों को बेचकर निवेशकों के पैसे लौटाए जाएंगे। केंद्र सरकार ने साल 2022 में बताया था कि सहारा इंडिया ग्रुप की कंपनियों में कुल निवेशकों का संख्या करीब 13 करोड़ है और इन निवेशकों के 1.12 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा फंसे हुए है। बता दें सहारा इंडिया का मामला साल 2012 से चल रहा है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सहारा की दो कंपनियों को निवेशकों का पैसा लौटाने का आदेश दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सेबी -सहारा एस्क्रो अकाउंट में करीब 26.25 हजार करोड़ रुपए जमा है। पिछले दो सालों में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सेबी ने सहारा निवेशकों को करीब 5053 करोड़ लौटा दिए हैं। जिन निवेशकों ने सहारा में पैसे जमा किए थे, उन्हें वापस किए गए हैं। सहारा ग्रुप के पास बड़ी संपत्ति के तौर पर अम्बे वैली सिटी है, जो महाराष्ट्र के पुणे में है, ये टाउनशिप लगभग 8,810 एकड़ में फैला हुआ है। सहारा के मुंबई एयरपोर्ट के पास होटल सहारा स्टार है, लखनऊ में सहारा शहर और सहारा गंज मॉल है। इसके अलावा महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तराखंड जैसे कई राज्यों कई संपत्तियां फैली हुई हैं। हालांकि कितने में सभी संपत्तियों का सौदा हुआ है, इसका खुलासा नहीं हुआ है। इसपर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 14 अक्टूबर 2025 को होगी। अगर अदालत संपत्ति सौदे पर अपनी मुहर लगाती है तो फिर सहारा ग्रुप की तमाम संपत्तियों की ब्रिकी का रास्ता साफ हो जाएगा।

यूएनएचआरसी की 34वीं बैठक में पाकिस्तान की एक बार फिर हुआ बेनकाब

बलूचिस्तान में मानवाधिकारों की जवाबदेही बढ़ाने और समाधान बढ़ाने का आह्वान

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक शोधकर्ता जोश बोवेस ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र की 34वीं बैठक में पाकिस्तान की एक बार फिर से पोल खोलकर रख दी। जोश बोवेस ने मानवाधिकार उल्लंघनों और बलूचिस्तान में चल रहे संकट को लेकर पाकिस्तान को घेरा। बोवेस ने बलूचिस्तान में चल रहे मुद्दों के लिए मानवाधिकारों की जवाबदेही बढ़ाने और समाधान बढ़ाने का भी आह्वान किया।

बोवेस ने बताया कि कैसे पाकिस्तान विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में 158वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि 2025 के लिए यूएससीआईआरएफ की धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट के मुताबिक ईशनिंदा के आरोपों में 700 से ज्यादा लोग जेल में हैं, जो पिछले साल की तुलना में 300 फीसदी की वृद्धि है। उन्होंने बलूच लोगों पर हो रहे अत्याचारों को उजागर करते हुए कहा कि बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार निकाय ने अकेले 2025 की पहली छमाही में 785 लोगों के गायब होने और 121 हत्याओं का दस्तावेजीकरण किया है। पश्तून राष्ट्रीय जिरगा ने कहा कि 2025 में 4000 पश्तून अभी भी लापता हैं।

बता दें इससे पहले जिनेवा में यूएनजीआरसी के 60वें सत्र के दौरान पाकिस्तान कई मोर्चों पर बेनकाब हुआ था। इससे पहले, मानवाधिकार कार्यकर्ता आरिफ आजाकिया ने पाकिस्तान में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की थी। पाकिस्तान का जिक्र करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में लंबे समय से सैन्य अभियान चल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि न्यायेतर हत्याओं, जबरन गुमशुदगी और यातना के मामले सामने आए हैं, और लापता लोगों के परिवार अक्सर विरोध प्रदर्शन करते हैं।

दिल्ली पुलिस के शिकंजे में आई नंदू गैंग, 9 सदस्य पकड़े गए, मकोका भी लगाया

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात गैंगस्टर कपिल संगवान उर्फ नंदू के संगठित अपराध सिंडिकेट पर बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस ने नंदू गैंग पर शिकंजा कसते हुए 9 सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सभी पर मकोका लगाया गया है। जबकि सरगना नंदू फिलहाल विदेश में छिपा हुआ है। उस पर रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका है। दिल्ली पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि गैंग को स्थानीय नेताओं और प्रॉपर्टी डीलरों से मदद मिलती रही है। गैंग का मुखिया कपिल संगवान उर्फ नंदू 2019 में पैरोल पर बाहर आने के बाद विदेश भाग गया और वहीं से गैंग चला रहा है। पुलिस को जानकारी है कि वह इस समय ब्रिटेन में छिपा है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी है और संपत्तियों की तलाश की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के मुतबिक नंदू गैंग पिछले कई सालों से दिल्ली और आसपास के इलाकों में हत्या, रंगदारी, गोलीबारी और संपत्ति विवादों में दबाव डालकर करोड़ों रुपये की कमाई करता रहा है। हाल के दिनों में द्वारका, पश्चिमी और बाहरी दिल्ली में रंगदारी कॉल बढ़ने के बाद इस गैंग पर शिकंजा कसना तेज किया गया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए कई बड़े कुख्यात बदमाशो को अरेस्ट किया है। ऋतिक उर्फ पीटर- गैंग का मुख्य शूटर, जिसने बिल्डरों और कारोबारियों को डराने के लिए अंधाधुंध फायरिंग की थी। रोहित शर्मा उर्फ अन्ना - टारगेट पहचानने और हत्या में शामिल रहा है। सचिन चिखारा 2018 से जेल में रहकर भी गैंग चलाता रहा है। ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा नंदू का भाई और नए शूटरों की भर्ती करता था।

लेह में बाजार खुले, एलजी बोले

लद्दाख की हर उम्मीद पूरी करेगी केंद्र सरकार

लेह

लद्दाख में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों और हिंसक घटनाओं के बाद गुरुवार को प्रशासन ने कर्फ्यू में ढील दी, जिससे लेह शहर में सामान्य जनजीवन लौटता दिखाई दिया। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दी गई छूट के दौरान बाजारों में चहल-पहल दिखी और लोग जरूरी सामानों की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकले। करीब एक हफ्ते से बंद दुकानें खुलने से स्थानीय निवासियों को राहत मिली।

गौरतलब है कि लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतरे थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़पें हुईं, जिसके बाद कर्फ्यू लगाया गया था। इस बीच, 24 सितंबर को हुई हिंसा में पुलिस कार्रवाई के दौरान चार लोगों की मौत हो गई थी, जब प्रदर्शनकारियों ने एक राजनीतिक दल के कार्यालय को आग के हवाले कर दिया था। कर्फ्यू में ढील के बीच उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने निवासियों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख की हर उम्मीद पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है और बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशा जाएगा। गुप्ता ने कहा, यहाँ के नेता प्रशासन से संवाद कर रहे हैं। एक बार सकारात्मक माहौल बन जाने पर बातचीत की मेज पर सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। मैं पिछले दो महीनों से यहाँ हूँ और किसी भी बैठक से इंकार नहीं किया। लोग मेरी बात सुनते हैं और समाधान की दिशा में काम करते हैं।

उपराज्यपाल ने क्षेत्र में रोजगार सृजन पर जोर देते हुए कहा कि 1,000 पदों के लिए विज्ञापन निकाला गया है। इसके अलावा, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी लोगों को जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि लद्दाख में करीब 18,000 एमएसएमई इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनमें 50,000 से ज्यादा लोग रोजगार पा रहे हैं। इसी बीच बुधवार को एलजी गुप्ता ने कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायज़ा लेने के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता भी की। बैठक में मुख्य सचिव पवन कोतवाल, पुलिस महानिदेशक एसडी सिंह जामवाल, डीआईजी श्रीनगर दक्षिण पीके सिंह, लेह के उपायुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमशः चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

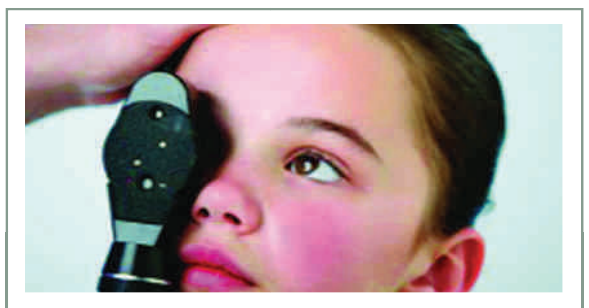

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

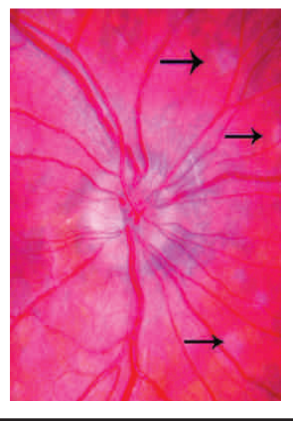

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइसिमक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में धार्मिक त्योहार के दौरान माता जी के पंडाल में युवतियों द्वारा अश्लील डांस करने से विवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भटार, पांडेसरा और डिंडोली इलाकों में भक्ति के नाम पर अश्लीलता का प्रदर्शन हुआ। गरबा की जगह हुक्का बार जैसे गानों पर डांस करने का मामला सामने आया है। सूरत में धार्मिक त्योहार के दौरान माता जी के पंडाल में युवतियों द्वारा अश्लील डांस करने से विवाद खड़ा हो गया है। नवरात्रि और दुर्गा पूजा जैसे पवित्र पर्व पर इन इलाकों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें माता जी की मूर्ति के सामने युवतियां ठुमके लगाती दिख रही हैं।

गुजरात में इस साल चाहे सूरत हो या वडोदरा, गरबा और दुर्गा पूजा में खिलाड़ियों द्वारा किस करना, भड़काऊ कपड़े पहनकर अश्लील नृत्य करना जैसी घटनाएं विवाद का कारण बनी हैं। वडोदरा के गरबा में मैदान पर किस करने का वीडियो वायरल हुआ था और अब सूरत के गरबा और दुर्गा पूजा पंडाल में ठुमके लगाती युवतियों के वीडियो वायरल होने से भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं।

वायरल वीडियो में सूरत के परप्रांतीय इलाकों से लेकर पॉश इलाकों तक के दृश्य सामने आए हैं। एक तरफ माता जी की प्रतिमा के सामने अश्लील नृत्य करते हुए दो वीडियो सामने आए हैं, जबकि तीसरा वीडियो सूरत के पॉश इलाके भटार का बताया जा रहा है, जिसमें ''तेरा प्यार प्यार हुक्का बार'' गाने पर महिलाएं माता जी की प्रतिमा के सामने डांस करती दिख रही हैं।

पहले पांडेसरा इलाके का एक वीडियो वायरल हुआ, जो परप्रांतीय क्षेत्र माना जाता है। इसमें काले कपड़े पहने एक युवती माता जी की प्रतिमा के सामने अश्लील नृत्य करती दिख रही है। आश्चर्यजनक बात यह है कि उसके बगल में दो लोग चुनरी ओढ़कर भक्ति भाव से नृत्य कर रहे हैं, जबकि युवती का डांस धार्मिक वातावरण को लज्जित करता हुआ साफ दिखाई दे रहा है।

दूसरा वीडियो डिंडोली इलाके का बताया जा रहा है। इसमें रंगीन रोशनी से सजे मंच पर युवतियां भद्दा नाच-गाना कर रही हैं और यह दृश्य देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई है। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने से भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं।

इसके बाद सूरत के पॉश इलाके भटार का भी एक वीडियो सामने आया है। इसमें माता जी की प्रतिमा के सामने 10 से 12 महिलाएं ''तेरा प्यार प्यार हुक्का बार'' जैसे गानों पर नाचती हुई दिख रही हैं। यह दृश्य धार्मिक पवित्रता को ठेस पहुंचाने वाला माना जा रहा है।

हालांकि आश्चर्यजनक बात यह है कि डिंडोली, पांडेसरा और अलथाण पुलिस थाने को इन वीडियो की सटीक लोकेशन के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। एक वीडियो में पांडेसरा का जिक्र है, लेकिन तीनों वीडियो का सटीक स्थान अब तक तय नहीं हो पाया है। भटार, डिंडोली और पांडेसरा के नाम से घूम रहे इन अश्लील वीडियोज़ ने नवरात्रि के पवित्र माहौल को दूषित कर दिया है और श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है।

प्रेमी युवक के उत्पीड़न से पीड़ित पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC में रहने वाली 23 वर्षीय विवाहित महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला के किसी अन्य युवक के साथ अवैध संबंध थे। मृतक ने मरने से पहले एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में अपने प्रेमी युवक से कहा कि उसने उसे आठ महीनों तक अलग-अलग होटल में लेकर शारीरिक शोषण किया और अब वह उसे आसानी से नहीं छोड़ेगी। इसके बाद उसने आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार, मूल उत्तर प्रदेश की निवासी और सूरत के सचिन GIDC इलाके में रहने वाली 23 वर्षीय विवाहित महिला केतकी (नाम बदलकर) अपने पति और एक पुत्र के साथ रहती थी। पति जरीखाता में काम करता है और परिवार का भरण-पोषण करता है। केतकी ने पांच साल पहले प्रेम विवाह किया था। गतकल शाम को केतकी ने घर के रसोई में लगी लोहे की एंगल से dupatta बांधकर फांसी लगाई। केतकी के पति ने बताया कि उनकी पत्नी का किसी युवक के साथ अवैध संबंध था। मृतक के मोबाइल फोन से उसके मरने से पहले बोले गए चार ऑडियो रिकॉर्डिंग मिले। एक रिकॉर्डिंग

अंतिम ऑडियो में कहा - ''अलग-अलग होटल में लेकर मेरा शारीरिक शोषण किया'', एक पुत्र ने मां की छत्रछाया खो दी

में केतकी अपने प्रेमी युवक से कहती है कि उसने उसे आठ महीने तक अलग-अलग होटल में लेकर शारीरिक शोषण किया और अब वह उसे आसानी से नहीं छोड़ेगी।

ऑडियो रिकॉर्डिंग के बाद केतकी ने आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी सचिन GIDC पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने केतकी का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर रिकॉर्डिंग के आधार पर गहन जांच शुरू की है। केतकी की आत्महत्या से उसके एकमात्र पुत्र ने अपनी मां की छत्रछाया खो दी, जिससे परिवार में शोक का माहौल छा गया।

स्वाद-प्रेमी सूरतियों का फाफड़ा-जलेबी के प्रति क्रेज दशहरे पर देखने को मिला।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में नवरात्रि के बाद अधिकांश खिलाड़ी सीधे फाफड़ा-जलेबी की दुकानों पर पहुंच गए। रात दो बजे से ही सूरत की कई फरसाण (नमकीन) दुकानों पर लाइनें लग गई थीं। यह भीड़ दशहरे के दिन तक बनी रही। खाने-पीने के शौकीन सूरत में दशहरे पर एक अनोखा नज़ारा देखने को मिला। कुछ दुकानों पर लोग फाफड़ा खरीदने के लिए घंटों लाइन में खड़े रहे तो वहीं दूसरी ओर कुछ दुकानदार ग्राहकों का इंतज़ार करते नज़र आए।

असल कहावत ''सूरत का भोजन और काशी का मरण'' आज भी सही साबित होती है। बल्कि इसके उलट अब सूरत का भोजन और भी मशहूर हो रहा है, जिसका कारण है सूरतियों का खाने-पीने के प्रति गहरा लगाव। बीती रात नवरात्रि का नवां दिन समाप्त होते ही कई सुरती लोग गरबा मैदानों से सीधे फाफड़ा-जलेबी की दुकानों पर पहुंच गए। जिसके चलते सूरत के कई इलाकों में दुकानें पूरी रात खुली नज़र आईं।

सरकार ने देर रात तक गरबा और खाने-पीने की दुकानों को खुला रखने की अनुमति दी थी, जिससे खिलाड़ियों के साथ-साथ दुकानदारों को भी लाभ मिला। गरबा मैदानों या सोसाइटी में गरबा खत्म होते ही लोग खाने-पीने के लिए बाहर निकले और फाफड़ा-जलेबी

की दुकानों पर जा पहुंचे। कई लोगों ने सुबह के नाश्ते के लिए फाफड़ा-जलेबी खरीदी, तो कुछ ने वहीं सड़क पर या गाड़ी में बैठकर फाफड़ा-जलेबी का आनंद लिया।

नवरात्रि की नवमी की आधी रात से शुरू हुई फाफड़ा-जलेबी की दुकानों की भीड़ दशहरे के दिन दिनभर जारी रही। इसके चलते दुकानदारों की जमकर बिक्री हुई। सूरत में प्रसिद्ध फाफड़ा-जलेबी दुकानों पर बुधवार रात से गुरुवार पूरे दिन तक ग्राहकों की लंबी कतारें लगी रहीं। वहीं कुछ दुकानों पर व्यापारी ग्राहकों का इंतज़ार करते रहे। दशहरे के दिन सूरत की फरसाण मार्केट में विशेष चहल-पहल रहती है। हजारों किलो फाफड़ा-जलेबी की बिक्री होती है और स्थानीय लोग ही नहीं, बल्कि बाहर से आए लोग भी इस स्वाद का आनंद लेने उमड़ पड़ते हैं।

सूरतियों के फाफड़ा-जलेबी प्रेम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सूरत केवल हीरे और कपड़े के लिए ही नहीं, बल्कि खाने-पीने के लिए भी पूरे देश में मशहूर है। दशहरे की पूर्व संध्या पर देखने को मिली यह भीड़ सूरतियों के उत्सव-प्रेम और स्वाद-प्रेम का अनोखा संगम थी।

हर्ष संघवी ने शस्त्र पूजा के साथ ड्रोन की भी पूजा की

गुजरात पुलिस के हर यूनिट में शस्त्र पूजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अधर्म पर विजय का प्रतीक और पवित्र दशहरा पर्व के अवसर पर गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सूरत में शस्त्र पूजा की। इस बार पारंपरिक शस्त्रों के साथ आधुनिक ड्रोन की भी पूजा की गई, जो गुजरात पुलिस के बदलते समय और आधुनिकीकरण की ओर झुकाव को दर्शाता है। इसके साथ ही उन्होंने गोधरा कार्रवाई पर भी बयान देते हुए कहा कि, ''सरकारी जगह पर मकान बनाना और दूसरी ओर दंगे करना, यह दोनों एक साथ नहीं चल सकते।''

शस्त्र पूजा के बाद हर्ष संघवी ने राज्य के दशहरे की शुभकामनाएं दी और बताया कि दशहरे के दिन गुजरात पुलिस के प्रत्येक यूनिट में शस्त्र पूजा की जाती है। यहाँ वर्षों पुराने शस्त्र और आज के लेटेस्ट हथियार नजर आते हैं। पुलिस द्वारा नागरिकों की सुरक्षा के लिए इन शस्त्रों की पूजा की जाती है।

उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मददगार आधुनिक उपकरण जैसे ड्रोन भी अब पुलिस के हथियारागार का हिस्सा बन चुके हैं। इनकी पूजा करके तकनीक के महत्व को स्वीकार किया गया है।

शस्त्र पूजन के बाद हर्ष संघवी ने गोधरा में हाल ही में हुई बुलडोजर कार्रवाई और राज्य में शांति भंग करने वाले तत्वों पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि, गोधरा के नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य में सामाजिक

परियोजनाओं के लिए सुरक्षित रखी गई सरकारी जगहों पर असामाजिक तत्वों द्वारा अवैध निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी जगह पर मकान बनाना और दूसरी ओर दंगे करना दोनों साथ नहीं चल सकते।

अवैध निर्माण करने वाले और राज्य में अशांति फैलाने वाले लोगों के खिलाफ गुजरात पुलिस कड़े कदम उठा रही है। सरकारी जगह पर किसी भी प्रकार के कब्जे और उसके जरिए राज्य में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई ऐसा करता है, तो उससे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पलसाणा में तड़के यार्न फैक्ट्री में लगी भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया गया काबू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के पलसाणा तालुका में आज एक बार फिर आग की घटना सामने आई है। पलसाणा में स्थित एक यार्न फैक्ट्री में तड़के अचानक आग भड़क उठी, जिससे हड़कंप मच गया। यह आग पलसाणा के उमिया इंडस्ट्रीज के मेगा प्लाज़ा में स्थित ए वी के यार्न नामक फैक्ट्री में लगी थी। आग लगते ही तुरंत फायर विभाग को इसकी सूचना दी गई।

आग पर काबू पाने के लिए पलसाणा पी.ई.पी.एल. (PEPL) समेत फायर टीमों ने मौके पर पहुंचकर तुरंत पानी की बौछारों के साथ आग बुझाने का काम शुरू किया। फायर टीमों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सौभाग्य से, इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग से फैक्ट्री में मौजूद मशीनरी और यार्न को नुकसान पहुंचा है।

नौ दिन माता की आराधना के बाद सोसाइटी के लोगों ने रोते-रोते दोनों कान पकड़कर उठक-बैठक की

विसर्जन यात्रा में भी भावुक दृश्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उधना इलाके की काशीनगर सोसाइटी में श्री माधव गौशाला और ट्रिपल के ग्रुप द्वारा आयोजित नवरात्रि उत्सव-2025 में नौ दिनों तक भक्ति भाव के साथ उत्सव मनाया गया। माता जी के विसर्जन से पहले सोसाइटी के सभी लोग एकत्रित हुए और किसी प्रकार की भूल-चूक हुई हो तो दोनों कान पकड़कर क्षमा मांगी। इस दौरान कई लोगों की आंखें नम हो गईं और वातावरण भावुक हो उठा।

पिछले 32 वर्षों से माता अम्बे की भव्य प्रतिमा की स्थापना कर आयोजक श्रद्धा और भक्ति का अनोखा माहौल बना रहे हैं। इस वर्ष भी नवरात्रि की शुरुआत भव्य शोभायात्रा से हुई थी, जिसमें हजारों भक्तों ने माता जी के प्रथम दर्शन का लाभ लिया। इस बार माता जी की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र बनी। मोर पर सवार माता अम्बे के मुख पर दिव्य मुस्कान इतनी मनमोहक थी कि भक्तों को ऐसा लगा मानो साक्षात देवी जगदंबा पृथ्वी पर अवतरित हुई हों।

नवरात्रि के नौ दिनों तक सोसाइटी में भक्ति भाव से पूजा-अर्चना और गरबा का आयोजन किया गया। नौ दिन की आराधना के बाद माता जी के विसर्जन के समय बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने दोनों कान पकड़कर माता जी से क्षमा मांगी।

इस दौरान कई भक्तों की आंखों से आंसू छलक पड़े और माहौल भावुक हो गया।

यह नवरात्रि उत्सव केवल गरबा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में भक्ति और एकता का संदेश भी प्रसारित हुआ।

नौ दिनों तक श्री माधव गौशाला और ट्रिपल के ग्रुप द्वारा विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें आरती, पूजा और गरबा शामिल थे। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजकों और स्वयंसेवकों ने तन-मन से सेवा दी।

डिंडोली इलाके में रहने बच्चों को बहला-फुसलाकर रेलवे ट्रैक के पास एक बच्चे के साथ कुकर्म किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में अपराध की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। माता-पिता के लिए खतरे की घंटी समान एक मामला डिंडोली क्षेत्र से सामने आया है। फुटपाथ पर रहने वाला एक व्यक्ति दो बच्चों को बहला-फुसलाकर रेलवे ट्रैक के पास ले गया था। वहाँ उसने एक बच्चे के साथ कुकर्म किया। यह घटना 25 सितंबर को हुई थी। मामले में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जाँच शुरू कर दी है।

डिंडोली इलाके में रहने वाले सात और आठ साल के दो सगे भाई 25 सितंबर को दोपहर के समय वड़ा पाव खाने घर से निकले थे। वड़ा पाव खाकर लौटते समय डिंडोली ब्रिज के पास उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति मिला। आरोपी ने दोनों बच्चों को चॉकलेट और वड़ा पाव का लालच देकर बहलाया-फुसलाया और उन्हें डिंडोली स्थित रेलवे ट्रैक के पास एक सुनसान जगह पर ले गया।

दोनों बच्चों को एक साथ चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी कृत्य पूरा होने के बाद दरिंदे ने पकड़े जाने के डर से दोनों बच्चों को एक साथ चाकू दिखाया। उसने धमकी दी कि अगर वे इस बात की जानकारी अपने परिवार या पुलिस को देंगे तो उन्हें जान से मार डाला जाएगा। डरे-सहमे दोनों बच्चों ने घर जाकर हिम्मत जुटाकर परिजनों को पूरी घटना बताई। आघातग्रस्त परिवार ने तुरंत डिंडोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

समंदर में खड़ी भारी-भरकम क्रेन हिलने लगी और अचानक उसका मुख्य हिस्सा धड़ाम से टूटकर समुद्र में समा गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के मघदल्ला जेटी के पास समंदर में एक बड़ा हादसा टल गया। तेज आंधी-पवन के कारण जामनगर स्थित श्रीजी शिपिंग के जहाज से कोयला खाली करने गई एक क्रेन का अगला हिस्सा टूटकर समुद्र में गिर गया। यह पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जानकारी के अनुसार सोमवार को 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही थीं। इस दौरान समंदर में खड़ी भारी-भरकम क्रेन हिलने लगी और अचानक उसका मुख्य हिस्सा धड़ाम से टूटकर समुद्र में समा गया। हालांकि पिछले तीन दिनों से जेटी बंद होने की वजह से कोयला खाली करने का काम रुका हुआ था, जिसके चलते कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया। इस पूरे मामले की जांच गुजरात मैरीटाइम बोर्ड ने शुरू कर दी है और रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछले शनिवार शाम से पूरे दक्षिण गुजरात में तेज हवाएं चल रही हैं। वलसाड और चीखली समेत कई क्षेत्रों में नुकसान हुआ है।